राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार ,11 मई 2023 वर्ष–6,अंक–106 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक लोकसभा और 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव, मेघालय, यूपी, ओडिशा और पंजाब में वोटिंग

नतीजे 13 मई को

नई दिल्ली। एक लोकसभा और 4 विधानसभा सीटों पर बुधवार को उपचुनाव हो रहे हैं। पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट, मेघालय की सोहियोंग, यूपी में स्वार, छानबे और ओडिशा की झारसुगड़ा विधानसभा सीट पर वोटिंग जारी है। इन चुनावों के नतीजे 13 मई को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के रिजल्ट के साथ आएंगे।

उत्तर प्रदेशः रामपुर की स्वार सीट आजम के बेटे अब्दुल्ला की सदस्यता जाने पर खाली हुई

उत्तर प्रदेश में रामपुर और छानबे विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहा है। रामपुर जिले की स्वार सीट पर सुबह 9 बजे तक 7.93 प्रतिशत और मिर्जापुर जिले की छानबे सीट पर 10.14 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। स्वार सीट आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम की विधानसभा सदस्यता जाने के बाद खाली हुई थी। जबकि छानबे विधानसभा सीट अपना दल (एस) के विधायक राहुल कोल के निधन के बाद खाली हुई थी। पूरे प्रदेश की नजर रामपुर की स्वार विधानसभा सीट पर है, क्योंकि यहां आजम खान की प्रतिष्ठा दांव पर है। अब्दुल्ला आजम की विधायकी 15 साल पुराने मामले में दोषी ठहराए जाने और 2 साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद रद्द कर दी गई थी। बड़ी बात यह है कि इस बार आजम खान के परिवार का कोई भी सदस्य चुनावी मैदान में नहीं है। खुद आजम सपा की हिंदू प्रत्याशी अनुराधा चौहान

के लिए ताकत लगा रहे हैं।

मेघालयः लिंगदोह के निधन से खाली हुई सोहियोंग सीट

मेघालय में सोहियोंग विधानसभा क्षेत्र में वोटिंग सुबह सात बजे शुरू हुई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एफआर खारकोंगोर ने कहा कि उपचुनाव में 34,000 से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। इनमें 16000 से ज्यादा पुरुष हैं। वोटिंग 63 बूथ पर होगी। जहां 300 से अधिक मतदान अधिकारी ड्यूटी कर रहे हैं।

फरवरी-मार्च में हुए विधानसभा चुनाव से पहले DP के एचडीआर लिंगदोह का निधन हो गया था। वे सोहियोंग सीट से विधायक थे। इसके चलते ही इस सीट पर उप-चुनाव कराया जा रहा है।

ओडिशाः मंत्री की हत्या से खाली हुई झारसुगुड़ा सीट, सुबह 9 बजे तक 9.75 प्रतिशत वोटिं

ओडिशा में झारसुगुड़ा विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए भी वोटिंग शुरू हो गई है। बुधवार को 253 बूथों पर मतदान सुबह सात बजे से शुरू हो चुका है। जो शाम छह बजे तक चलेगा। यहां कुल 2,21,070 वोटर हैं। इनमें 1,10,320 पुरुष, 1,10,687 महिलाएं और 63 ट्रांसजेंडर हैं। कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी अबोली सुनील नरवणे ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि सभी 253 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जा रही है।

यह सीट स्वास्थ्य मंत्री नबा किशोर दास की 29 जनवरी को हुई हत्या के बाद से खाली है। मुकाबला मुख्य रूप से बीजद, भाजपा और कांग्रेस के बीच है। बीजद ने दास की बेटी दीपाली दास को मैदान में उतारा है, जबकि भाजपा ने तंकाधर त्रिपाठी को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने दिवंगत विधायक बिरेन पांडेय के बेटे तरुण पांडेय को मैदान में उतारा है। तीनों नए कैंडिडेट्स हैं। वोटों की गिनती 13 मई को होगी।

भाजपा को मिल रहा है बहुमत, इसलिए चुनाव बाद जेडीएस से गठबंधन नहीं-येदियुरप्पा

बेंगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने बुधवार को दावा किया कि राज्य में भाजपा पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी और ऐसे में सरकार बनाने के लिए जेडीएस के साथ चुनाव के बाद गठबंधन करने का कोई सवाल ही नहीं है।

श्री येदियुरप्पा ने शिकारीपुरा में अपना वोट डालने के बाद संवाददाताओं से यह बात कही। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में त्रिशंकु जनादेश आने सवाल पर उन्होंने कहा ÷सरकार बनाने के लिए जेडीएस के साथ चुनाव बाद गठबंधन करने का कोई सवाल ही नहीं उठता क्योंकि भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने जा रहा है।÷

श्री येदियुरप्पा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह द्वारा कर्नाटक को दिए कार्यक्रमों की वजह से भाजपा चुनाव जीतने जा रही है। उन्होंने कहा, ÷लगभग पूरे राज्य में सिंचाई सहित विकास हुआ है और इसलिए मैं कह रहा हूं कि हम पूर्ण बहुमत से जीत रहे हैं और हम सरकार बनाने जा रहे हैं।

उनके पुत्र विजयेंद्र ने भी अपने पिता की तरह ही सरकार बनाने के लिए जेडीएस के साथ चुनाव के बाद कोई समझौता नहीं होने पर सहमति व्यक्त की और कहा कि भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने वाला है क्योंकि कर्नाटक के लोग त्रिशंकु विधानसभा से तंग आ चुके हैं।

उन्होंने कहा ÷बिल्कुल, मैं उनसे सहमत हूं। पिछले तीन हफ्तों में, मीडिया ने भी देखा होगा कि जिस तरह से चलन बदल रहा है। कर्नाटक के लोग इस त्रिशंकु विधानसभा से तंग आ चुके हैं। इसलिए, यह जनता के हित में अच्छा नहीं है।÷ लोगों को एहसास हो गया है और मुझे यकीन है कि वे भाजपा को स्पष्ट जनादेश देंगे।

पीएम मोदी पर केस करना चाहती है पाकिस्तानी ऐक्ट्रेस, दिल्ली पुलिस का दिलचस्प जवाब

नई दिल्ली। पाकिस्तानी की एक एक्ट्रेस सेहर शिनवाड़ी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर केस करना चाहती है। वह भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के खिलाफ भी मुकदमा करना चाहती है। सेहर का आरोप है कि पाकिस्तान में फैली अराजकता के लिए मोदी और रॉ ही जिम्मेदार हैं। सोशल मीडिया पर सेहर ने इन बातों को लिखा तो दिल्ली पुलिस ने दिलचस्प जवाब दिया। शिनवाड़ी का ट्वीट पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद आया। इमरान खान को मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट से पाक सेना ने गिरफ्तार कर लिया, जिसके बाद से वहां हालात बिगड़ गए हैं। देशभर में आगजनी और हिंसा हो रही है। इसको लेकर सिनवाड़ी भारत को जिम्मेदार मानती हैं और उन्होंने दिल्ली पुलिस को शिकायत दर्ज कराने की इच्छा जाहिर की थी। पाकिस्तानी ऐक्ट्रेस ने लिखा, क्या कोई दिल्ली पुलिस का ऑनलाइन लिंक जानता है? मुझे भारतीय प्रधानमंत्री और भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के खिलाफ शिकायत दर्ज करनी है जो हमारे देश पाकिस्तान में आतंकवाद और अराजकता फैला रहे हैं। यदि भारतीय अदालतें स्वतंत्र हैं (जैसा कि वे दावा करती हैं) तो मुझे विश्वास है कि भारतीय सुप्रीम कोर्ट मुझे न्याय देगा।

सिनवाड़ी के ट्वीट पर जवाब देते हुए दिल्ली पुलिस ने तंज कसा और ऐसा जवाब दिया कि वायरल हो गया। पुलिस ने ट्वीट किया, पाकिस्तान

में अभी हमारा अधिकारक्षेत्र नहीं है। लेकिन यह जानना चाहेंगे कि आप ट्वीट कैसे कर रही हैं जब आपके देश में इंटरनेट बंद है। पाकिस्तान के दूरसंचार विभाग ने कहा कि गृहमंत्रालय के आदेशों पर मोबाइल डेटा सेवाओं को निलंबित किया जा रहा है, जबकि ग्लोबल इंटरनेट मॉनिटर नेटब्लॉक्स ने कहा कि ट्विटर, फेसबुक और यूट्यूब का एक्सेस रोक दिया गया है।

कूनो में एक और चीते की मौत, मेटिंग के दौरान मेल चीते ने पंजा मारकर घायल किया था; अब 17 चीते ही बचे

श्योपुर। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में फीमेल चीते दक्षा की मौत हो गई है। दक्षा को इसी साल दक्षिण अफ्रीका से कूनो लाया गया था। मुख्य वन्य संरक्षक जेएस चौहान ने इसकी पुष्टि की है। बताया गया है कि मेल चीते को दक्षा के बाड़े में मेटिंग के लिए भेजा गया था। मेटिंग के दौरान ही दोनों में हिंसक इंटरैक्शन हो गया। मेल चीते ने पंजा मारकर दक्षा को घायल कर दिया था।

कूनो नेशनल पार्क की मॉनिटरिंग टीम को दक्षा घायल हालत में मिली थी। उसे इलाज के लिए ले जाया गया। दोपहर करीब 12 बजे उसकी मौत हो गई। पिछले डेढ़ महीने में कूनो नेशनल पार्क में 3 चीतों की मौत हो चुकी है। यहां अब 17 चीते ही बचे हैं।

कुछ समय पहले ही मेल चीतों को किया था बाड़े में शिफ्ट

दक्षा को एक नंबर बाड़े में रखा गया था। पिछले दिनों कूनो में हुई चीता टास्क फोर्स के अधिकारियों की मीटिंग में 7 नंबर बाड़े में

मौजूद दक्षिण अफ्रीका से लाए गए मेल चीते कोयलिशन, अग्नि और वायु को फीमेल चीता से मिलाने का निर्णय लिया गया था। 7 और 1 नंबर बाड़े के बीच की जाली को हटाकर उन्हें एक साथ कर दिया गया था।

यह एक सामान्य घटनाः वन मंत्री विजय शाह

मध्यप्रदेश के वन मंत्री विजय शाह ने कहा कि अगर 1-2 की मृत्यु हुई है तो 4 अन्य (चीतों) ने जन्म भी लिया है। यह मौत जानवरों की आपसी लड़ाई की वजह से हुई है। यह सामान्य बात है। दो नर और एक मादा चीता के बीच लड़ाई हुई थी, जिसकी वजह से वह घायल हुई। यह सामान्य घटना है।

कूनो में अब 17 चीते बचे

पहली खेप में नामीबिया से 8 चीतों को कूनो नेशनल पार्क लाया गया था। 17 सितंबर को अपने जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन्हें बाड़े में रिलीज किया था। इनमें से एक मादा चीता साशा की किडनी में इन्फेक्शन की वजह से मौत हो गई थी। इसके बाद 18 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीते कूनो लाए गए थे। इनमें से एक नर चीता उदय की मौत हो गई थी। इस तरह कुल 20 चीतों में से 3 की मौत जाने पर अब 17 चीते ही कूनो नेशनल पार्क में बचे है। हालांकि पहली खेप में नामीबिया से आई ज्वाला (पुराना नाम सियाया) ने हाल ही में 4 शावकों को जन्म दिया था।

महिला पहलवानों को मैरी कॉम पैनल पर भरोसा नहीं, मिला हरियाणा बीजेपी चीफ का साथ

नई दिल्ली। भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के चेयरमैन बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर धरने पर बैठी पहलवानों ने मैरी कॉम की अध्यक्षता में बनी केंद्री की निगरानी कमिटी पर विश्वास करने से इनकार कर दिया है। पहलवानों का कहना है कि यह पैनल एकतरफा और पक्षपाती है। पहलवानों ने कहा कि इस पैनल के जरिए आरोपी बृजभूषण को बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच कमेटी का आगे पेश किए गए सबूतों के साथ भी छेड़छाड़ की गई है। बता दें कि मुक्केबाज और ओलंपिक पदक विजेता मैरी कॉम को पांच सदस्यीय ओवरसाइट समिति का प्रमुख बनाया गया था। इसमें योगेश्वर दत्त,तृप्ति मुरगुंडे, राजगोपालन, राधा श्रीमन सदस्य थे। उस समय मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के गोंडा में कुश्ती चैंपियनशिप को भी रद्द कर दिया था।

हरियाणा भाजपा के प्रमुख का पहलवानों को समर्थन

लंबी चुप्पी के बाद बीते सप्ताह हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने महिला पहलवानों का समर्थन किया था। इसके बाद अब हरियाणा में भजापा इकाई के अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने भी इन महिला पहलवानों को राज्य की शान बताया है। उन्होंने कहा, प्रदर्शन कर रहीं पहलवान हरियाणा की बेटियां हैं और उनकी मांगों को केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के सामने रखा गया है। बता दें कि प्रदर्शन करने वाली महिलाओ में विनेश फोगाट और साक्षी मलिक भी शामिल हैं। उन्होंने बृजभूषण पर महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण का आरोप लगाया है। हालांकि बृजभूषण ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा कि अगर उनके खिलाफ लगे आरोप सही पाए जाते हैं तो वह फांसी लगा लेंगे। धनखड़ ने कहा, केंद्रीय मंत्री से बात के दौरान हमने इस बात पर जोर दिया है कि जो भी महिलाएं प्रदर्शन कर रही हैं वे हरियाणा की बेटियां हैं और उन्हें न्याय मिलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने उन्हें इस बात का आश्वासन दिया है।

मोचा तूफान को लेकर अलर्ट, कई जगहों पर जोरदार बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र विकसित हो गया है जो कि जल्द ही डिप्रेशन में बदलने वाला है। आने वाले 24 घंटे में यह तूफान का रूप ले सकता है। वहीं पूर्वोत्तर राजस्थान के ऊपर चक्रवाती हवाओं का स्तर बना हुआ है। मौसम विभाग ने कहा है कि बुधवार को बंगाल की खाड़ी की पूर्व मध्य और अंडमान सागर के पास तूफान बनेगा। इसका असर तटीय इलकों में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग का कहना है कि तूफान के

बांग्लादेश-म्यांमार तट की ओर बढ़ने की संभावना ज्यादा है।

बंगाल की खाड़ी में खराब होगी स्थिति

अंडमान नीकोबार द्वीप समूह में कई जगहों पर मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। अगले दो से तीन दिन तक ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। समंदर में ऊंची लहरें उठने की भी संभावना जताई गई है ऐसे में मछुआरों को समंदर में ना उतरने को कहा गया है।

कहां होगी बारिश

स्काइमेट वेदर के मुताबिक तटीयक कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले 24 घंटे में बारिश हो सकती है। इसके अलावा पश्चिमी हिमालय के कुछ क्षेत्रों में बर्फबारी की संभाना है। इसका असर उत्तर भारत के बड़े हिस्से में रहेगा और अभी हीटवेव की संभावना नहीं बनेगी। वहीं दक्षिण छत्तीसगढ़, आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कुछ जगहों पर हल्की बारिश संभव है।

कैसा रहेगा दिल्ली और यूपी का मौसम

राजधानी दिल्ली में 10 मई को आंधी चल सकती है। इसके अलावा आसमान साफ रहेगा और तेज धूप खुलेगी। धीरे-धीरे तापमान बढ़ेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों में पारा 40 को पार कर जाएगा। वहीं उत्तर प्रदेश में भी अब तापमान बढ़ेगा। बुधवार को लखनऊ का तापमान 38 डिग्री तक पहुंच सकता है।

'आजीविका' बना राष्ट्र का मिशन तो ग्रामीण महिलाएं तेजी से होने लगी आत्मनिर्भर

पटना/बेगूसराय। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजीविका मिशन को राष्ट्रीय मिशन बनाकर ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने का मंत्र दे दिया है। अवसरों का सृजन कर गरीबी दूर करने की दिशा में पहल बन चुकी दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय आजीविका मिशन करोड़ों ग्रामीण परिवारों की समृद्धि का श्रोत बन गया।

राष्ट्रीय आजीविका मिशन ने नारी शक्ति को एक नई पहचान और दिशा दी है। इसके साथ ही छोटे-छोटे समूहों के माध्यम से प्रशिक्षित, प्रेरित, मार्गदर्शित हुई महिलाएं स्वावलंबन की नई राह पर आगे बढ़ रही हैं। 2011 में शुरू राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों को लक्ष्य समूह बनाकर दायरे में रखा गया था। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी सरकार ने योजना का आकलन किया तो उसका दायरा भी बढ़ाया। नाम बदलकर दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) किया। अब सामाजिक आर्थिक और जातिगत जनगणना 2011 के डेटाबेस के अनुसार कम से कम एक तरह के अभाव वाले सभी परिवारों को मिशन के लक्ष्य समूह में शामिल कर लिया गया। इससे महिला स्वयं सहायता समूहों की संख्या तेजी से बढ़ी। तब से अपने नाम और लक्ष्य को चरितार्थ कर रहा यह मिशन समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है। आर्थिक प्रगति के कारण महिलाएं और उनका परिवार गरीबी से बाहर आने लगा है, उनके जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है। मिशन की आधारशिला समुदाय आधारित है और ग्रामीण महिलाएं इसके मूल में हैं। मिशन ने महिला

सशक्तीकरण के लिए एक बड़ा मंच प्रदान किया है। इसकी 2011 से 2014 तक की प्रगति को देखें तो पांच लाख स्वयं सहायता समूह बने थे और सिर्फ 50-52 लाख परिवारों को स्वयं सहायता समूह से जोड़ा गया था। लेकिन 2014 के बाद से इसमें क्रांतिकारी परिवर्तन आया। पिछले नौ वर्षों में स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने में केंद्र सरकार ने हर प्रकार से मदद की है। प्रधानमंत्री के इस योजना के प्रति विजन और लक्ष्य है कि हर ग्रामीण परिवार से कम से कम एक महिला इस अभियान से जुड़े। इसके लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह पहल कर रहे हैं। जिसके कारण नौ मई 2023 तक सदस्यों की संख्या 9.09 करोड़ को पार कर गई। बैंक लिंकेज 6.57 लाख करोड़ हो गया, एनपीए 1.85 प्रतिशत है। लखपति दीदी की संख्या 1.24 करोड़ हो गई तथा यह आंकड़ा प्रत्येक दिन तेजी से बढ़ रहा है। बात बेगूसराय की करें तो यहां खेती, किसानी एवं व्यवसाय से जुड़कर तीन लाख 23 हजार 664 महिलाओं ने 27 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह बनाकर कई कीर्तिमान स्थापित किया। इन्होंने 110 करोड़ रूपये की बचत की हैं। इससे इन महिलाओं की दुनिया ही बदल गई है। इन तीन लाख से ज्यादा महिलाओं ने अपनी क्षमताओं को विकसित करने के लिए कृषि एवं गैर कृषि क्षेत्र में अपनी अभिरूची के अनुसार क्षेत्र चुना।

बेरोजगार का दंश झेलते हुए गृहिणी बनकर घर में बैठी महिलाएं एक तरफ जहां खुद को स्वावलंबी बना रही हैं। वहीं लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। कृषि एवं गैर कृषि क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह बनाकर मधुमक्खी पालन, बकरी पालन, गो पालन के साथ साथ दीदी की रसोई का संचालन कर रहीं हैं, जो काफी लाभप्रद साबित हो रहा है। अचार, सत्तू, पापड़, अगरबत्ती, नीरा, मूर्ति कला, ग्रामीण कला सहित अन्य माध्यमों से खुद आर्थिक रूप से सबल हो रही है। ये रोजगार के अवसर भी पैदा कर रही है। 2022-23 में 148 ग्राहक सेवा केंद्र के माध्यम से 60 करोड 46 लाख रुपए का लेन-देन महिलाओं ने किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हिरासत में इमरान

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी ने पाकिस्तान में लोकतंत्र होने के कई भरम तोड़े हैं। उन्हें हिरासत में लेने की घटना अप्रत्याशित नहीं है, क्योंकि इसकी आशंका तो वह लंबे समय से खुद जताते आ रहे थे, मगर गिरफ्तारी के वक्त उनके साथ जिस तरह का सुलूक हुआ, वह भी अदालत-परिसर में, वह लोकतंत्र होने का दावा करने वाले किसी मुल्क के लिए शर्मनाक बात है। तब तो और, जब वह शख्स एक दौर में अपने मुल्क का सबसे बड़ा खेल 'आइकन' रहा हो और जिसने उसके लिए दुनिया भर में प्रतिष्ठा अर्जित की हो। इमरान वहां अदालती प्रक्रिया का सम्मान करने ही गए थे। बहरहाल, पाकिस्तानी रेंजर्स ने उन्हें जिस अल-कादिर ट्रस्ट मामले में हिरासत में लिया है, उसकी वैधानिकता पर इस्लामाबाद हाईकोर्ट को फैसला करना है, पर आरोप है कि एक यूनिवर्सिटी खोलने के लिए गठित इस ट्रस्ट को गलत तरीके से भूमि दी गई और इमरान खान ने इसकी खातिर अपने पद का दुरुपयोग किया। अल-कादिर ट्रस्ट के दो ही ट्रस्टी हैं- खुद इमरान और उनकी बीवी! पूर्व प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार के और भी कई आरोप हैं और वह 80 से भी अधिक मुकदमों का सामना कर रहे हैं। पिछले तीन चुनावों से वहां जिस तरह आम चुनाव के बाद सत्ता का शांतिपूर्वक हस्तांतरण हुआ, या कुछ महीने पहले सांविधानिक प्रावधानों के तहत इमरान खान सरकार को सत्ता से बेदखल किया गया, या फौजी सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ आम अवाम व सियासी लोग मुखर हुए, उससे पाकिस्तान ही नहीं, उसके बाहर भी एक हल्की सी उम्मीद बनने लगी थी कि देर-सबेर वहां जम्हूरियत अपनी जड़ें तलाश लेगी। मगर वहां के सियासतदानों ने निराश किया। आतंकियों की हिमायत, शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार और बदले की सियासत ने पाकिस्तान को ऐसी अंधी खोह में धकेल दिया है, जहां से निकलना उसके लिए बेहद कठिन है। इमरान खान ही नहीं, वहां प्रधानमंत्रियों व राष्ट्रपतियों की एक लंबी फेहरिश्त है, जिन्हें अदालतों ने भ्रष्टाचार व बदनीयती के मामलों में सजाएं सुनाई हैं। इमरान खान के राजनीति में आते वक्त लगा था कि वह नई किस्म की सियासत करेंगे और बदहाल पाकिस्तान शायद सही पटरी पर आ जाए। उन्हें तो अवाम की मोहब्बत और फौज की हिमायत, दोनों हासिल थी, मगर उन्होंने पुराने पाकिस्तानी नेताओं की तरह बदले की राजनीति को आगे बढ़ाया और सियासी कौशल की कमी उन्हें एक साथ कई महाज खोलने की ओर लेकर चली गई। वह नवाज शरीफ और आसिफ अली जरदारी से तो उलझे ही, उन्होंने फौजी 'डीप स्टेट' से भी अदावत मोल ली। इमरान ने पाकिस्तान के लिए कुछ करने का एक अच्छा मौका गंवा दिया। सत्ता से बेदखल होने के बाद भी कानूनी व राजनीतिक लड़ाई को वह अराजक भीड़ की बदौलत जीतना चाहते हैं। मगर उनकी राह अब आसान नहीं है। नवाज शरीफ का उदाहरण सामने है। इमरान के खिलाफ इतने सारे मुकदमे हैं कि सत्तारूढ़ गठजोड़ उन्हें शायद ही कोई मोहलत दे। लेकिन इन सबका खामियाजा पाकिस्तानी जनता को भुगतना पड़ रहा है। एक ऐसे दौर में, जब आम पाकिस्तानी गरीबी, चरम महंगाई से कराह रहा है, वहां का सियासी निजाम उनके लिए राहत जुटाने के बजाय उनका ध्यान बंटाने वाला राजनीतिक प्रहसन रचने में जुटा है। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ता और समर्थक जिस तरह भड़क उठे हैं, वह इस मुल्क को एक विफल देश की ओर ही ले जाएगा।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

नशे की समस्या पर पार पाने का सही वक्त

राजेश रामचंद्रन

यह कहना कि पंजाब में नशा एक समस्या है या इसे नशे की लत के खतरे ने जकड़ रखा है, एक घिसा-पिटा वाक्य कहा जाएगा। हालांकि यह पूरी तरह सत्य नहीं है। तथ्य तो यह है कि पंजाब में समस्या की जड़ कुछ राजनेता हैं और भ्रष्ट पुलिस वालों के खतरे से प्रदेश ग्रस्त है। इन दोनों बीमारियों ने नशे की सौदागरी और लत सहित अलग-अलग रूप धर रखे हैं। भगवंत मान सरकार ने अब सहायक पुलिस महानिदेशक राज जीत सिंह को नौकरी से निकालने और केस दर्ज करने की कार्रवाई की है। यह वाकई स्वागतयोग्य कदम है। लेकिन क्या बस यहीं तक? घपलेबाज राजनेताओं और भ्रष्ट पुलिस वालों की जुगलबंदी से पंजाब में जो इतना विशाल नशा माफिया पंजे गड़ाए है और जिसके खिलाफ लड़ाई का जनादेश पंजाबी मतदाताओं ने मौजूदा सत्ताधारियों को दिया है, क्या वह छोटे-मोटे प्यादों की गिरफ्तारियों तक सिमटकर रह जाएगा? छोटी हो या बड़ी, पंजाब की तमाम नशे संबंधी गतिविधियों के पीछे पुलिस से सांठ-गांठ होना है और कहा जाये तो यहां नशे की समस्या वास्तव में कुछ भ्रष्ट पुलिस वालों का बनाया कैंसर है। एक उदाहरण है पूर्व पुलिस उप-अधीक्षक जगदीश सिंह भोला का, जिसे नशे की रासायनिक दवाओं के कारोबार के केस में 2013 में गिरफ्तार किया गया था और 2019 में सजा हुई। इस मामले ने हजारों करोड़ रुपये के नशे के धंधे की पोल खोल दी जिसमें सिद्ध हुआ कि सिंथेटिक नशीली दवाएं बनाकर, कनाडा और यूरोप के मुल्कों को निर्यात की जाती हैं। इस केस ने पंजाब के बड़े पुलिस अधिकारियों और राजनेताओं को यह मौका भी दिया था कि नशे की समस्या की जड़ को पहचानें और समुचित उपाय करें। लेकिन उन्होंने किया कुछ नहीं- क्योंकि कथित तौर पर सड़न बिल्कुल शीर्ष पर थी। तफ्तीश में भोला ने तत्कालीन कराधान मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया का नाम बतौर सह-आरोपी लिया था। अब जिस तरह पुलिस निरीक्षक इंदरजीत सिंह और सहायक पुलिस महानिदेशक को नौकरी से निकाला गया या सजा दी गई है, उसी तरह भोला वाले मामले में उसको तो मुख्य आरोपी बना दिया परंतु उसके संरक्षक राजनेताओं की भूमिका की जांच तक नहीं हुई। इस बार जबकि आम आदमी पार्टी सरकार पंजाब में नशे की समस्या से निबटने को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है, तो इसकी हकीकत मजीठिया को जमानत पर रिहा करते वक्त आये उच्च न्यायालय के आदेश को पढ़ने पर समझ आ जाएगी कि कैसे जांच प्रक्रिया दरअसल फर्जी रही - पहले कांग्रेस सरकार के वक्त और अब मौजूदा सरकार के समय भी - जिसके चलते मजीठिया को नियमित जमानत मिल पाई। यह पूरा मामला गिरफ्तार किए गए कुछेक आरोपियों द्वारा दिए बयानों और हरप्रीत सिंह सिद्धू के नेतृत्व वाले विशेष कार्य बल की जांच रिपोर्ट पर टिका हुआ लगता है, जिसपर आगे कार्रवाई करने को लेकर सत्ता में आयी विभिन्न सरकारें कन्नी काटती रहीं। वर्ष 2018 में हरप्रीत सिंह सिद्धू ने न्यायालय में जो स्थिति रिपोर्ट जमा की है, उसमें बताया गया है ः मजीठिया के सतप्रीत सिंह 'सत्ता', परमिंदर सिंह 'पिन्दी', जगजीत सिंह चाहल, मनिन्दर सिंह औलख और अमरिन्दर सिंह 'लाडी' से निकट संबंध हैं। आरोप है कि भोला नशे के कारोबार में चाहल, औलख, लाडी, पिन्दी और सत्ता के साथ मिला हुआ था और मजीठिया ने सत्ता और पिन्दी तक रासायनिक नशे की गोलियां पहुंचाने के काम में सहायता की है, मजीठिया और चाहल एवं अन्यों के बीच हुए पैसे के लेन-देन की जांच आगे किये जाने की जरूरत है, और इस बाबत भी जांच हो कि क्या धन को विदेशों में प्रॉपर्टी में परिवर्तित किया गया है। हरप्रीत सिद्धू की रिपोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष, धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामले में पेश हुए भोला, चाहल और औलख के इकबालिया बयानों का जिक्र है। लेकिन जो होना था बस यहीं तक हुआ - आगे न तो प्रवर्तन निदेशालय और न ही पंजाब पुलिस ने सूबे से चल रहे नशे के अंतर्राष्ट्रीय धंधे को लेकर कोई गंभीर जांच की, जोकि जाहिर है राजनेताओं के सरंक्षण के बिना संभव नहीं। धीरे-धीरे, अरबों रुपयों के इस रासायनिक नशा उद्योग को लेकर उठने वाला तमाम मुद्दा यहां-वहां हेरोइन की खेपों की कुछ ग्राम मात्रा या चरस की कुछ गोलियां पकड़कर मचाये हो-हल्ले में दबा दिया गया। असली बड़ी मछलियां कैप्टन राज में भी अठखेलियां करती रहीं क्योंकि सत्ता ने आंखें फेर ली थीं। ताज्जुब यह कि प्रवर्तन निदेशालय ने भी अपने इस केस में जांच आगे नहीं बढ़ाई। जब पूर्व उप-निदेशक निरंजन सिंह ने दिसंबर 2021 में अपने एक बयान की व्याख्या की कि उनके पास नशे से जुड़ी गतिविधियों में मजीठिया की धन लगाने संबंधी लिप्तता होने को लेकर - वर्ष 2004 से पहले या बाद - कोई सामग्री नहीं थी। हैरानी नहीं कि प्रवर्तन निदेशालय पर इल्जाम लगे कि वह केवल विपक्ष को निशाना बनाता है। वर्ष 2020 तक, आरोपी के परिजन केंद्र की गठबंधन सरकार का हिस्सा रहे। लेकिन केवल निरंजन सिंह को ही दोष क्यों दें, इस मामले के पग-पग पर जांच में कोताही गुस्सा दिलाती है। हाईकोर्ट की देखरेख में बनी विशेष जांच समिति, जिसमें तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी थे, उसने भोला वाले मामले में दायर मूल एफआईआर में लगभग 10 अतिरिक्त चालान दायर किए। लेकिन मजीठिया को कभी आरोपी नहीं बनाया। यह केवल हरप्रीत सिंह सिद्धू के नेतृत्व वाले विशेष कार्य बल की रिपोर्ट है, जिसने मजीठिया के खिलाफ डटने का साहस दिखाया। आखिरकार, चन्नी सरकार ने मजीठिया के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की, जोकि सिद्धू की रिपोर्ट पर आधारित थी। परंतु यहां फिर से पुलिस ने मजीठिया को हिरासत में लेकर कभी पूछताछ नहीं की, यह गिरफ्तारी मजाक बन गई। अगर पुलिस की आरोपी से पूछताछ या मौके पर ले जाकर साक्ष्य जुटाने या फिर अपराध स्थापना के अन्य तरीके अपनाए जाने की इच्छा नहीं थी, तो फिर उसे न्यायिक हिरासत में रखने की क्या तुक? जाहिर है मजीठिया पर एफआईआर चन्नी का चुनावी स्टंट था। जब चुनाव निबट लिये और जिस तरह मजीठिया के खिलाफ पर्याप्त सबूतों के बिना यह मामला अदालतों में घिसट रहा है, उसको लेकर हाईकोर्ट द्वारा अपने आदेश में की टिप्पणी सही लगती है 'पेश साक्ष्य कमजोर हैं और भरोसेमंद नहीं लगते'। असल में, सिद्धू की रिपोर्ट के अलावा, अभियोग पक्ष ने मामले को सिरे चढ़ाने को कुछ किया ही नहीं। परंतु, साक्ष्य के अभाव से किसी की निर्दोषता सिद्ध नहीं हो जाती। सिद्धू के अदालत में दिये इस बयान-'इस मामले में मजीठिया की भूमिका की जांच करवाये जाने के ठोस सबूत हैं, जब सरकारी मशीनरी, खासकर वाहन, सुरक्षागार्ड और अन्य सुविधाओं का दुरुपयोग करते हुए नशे के धंधे के प्रचालन और खेप पहुंचाने में सहायता की गयी है'- के बावजूद साक्ष्यों का अभाव पुलिस की खराब कारगुजारी है। जांच एवं अभियोजन पक्ष, जो करीब दस साल सोते रहे, पहले अकाली शासन के समय फिर कैप्टन अमरेंद्र सिंह की सत्ता के दौरान, मजीठिया मामले में चालान पेश करने को अभी भी नहीं जागे, इसकी बजाय राजजीत सिंह जैसों को नौकरी से निकाल लीपापोती की है। अब जबकि, प्रधानमंत्री मोदी दिवंगत प्रकाश सिंह बादल को श्रद्धांजलि देने अकाली दल के दफ्तर पहुंचे और भाजपा अध्यक्ष नड्डा अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे, ऐसे में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के बयान के बावजूद कयास लगने लगे हैं कि क्या पुराने राजनीतिक सहयोगी पुनः गठबंधन कर लेंगे। यदि नशे के धंधे के मुख्य सूत्रधारों को मौजूदा केंद्र या राज्य सरकार नहीं पकड़ती तो जनता का गुस्साना स्वाभाविक है, जो उन्हें पुनः अन्य राजनीतिक विकल्पों की ओर देखने को मजबूर करेगा।

गुणवत्ता से ही जीवन में उत्कृष्टता संभव

सीताराम गुप्ता

एक पत्रिका मेरे सम्मुख है जिसके कवर पर एक विज्ञापन छपा है— गुणवत्ता के साथ समझौता न करें, आईएसआई मार्क वाली वस्तुऐं खरीदें। विज्ञापन में उपभोक्ताओं को उत्तम गुणवत्ता वाली वस्तुएं ही खरीदने की सलाह दी गई है जो बिल्कुल ठीक है। लेकिन विज्ञापन में वर्तनी संबंधी एक त्रुटि भी दृष्टिगोचर होती है। वस्तुऐं की बजाय सही स्पैलिंग है - वस्तुएं। वस्तुओं की गुणवत्ता के साथ-साथ भाषा की गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जाये तो कितना अच्छा हो। पर क्या मात्र भाषा या वर्तनी की शुद्धता अथवा गुणवत्ता से वस्तुओं अथवा व्यक्ति के विचारों की गुणवत्ता संभव है? जहां तक भाषा की बात है, भाषा हमारे विचारों की वाहक होती है अतः विचारों की गुणवत्ता का बहुत महत्व होता है। यद्यपि भाषा की शुद्धता में वर्तनी का भी पर्याप्त महत्व है लेकिन विचार-भाव भाषा की आत्मा होते हैं। इसलिए वस्तुओं ही नहीं, विचारों -भावों की गुणवत्ता के साथ भी समझौता न करें। विचारों अथवा भावों की गुणवत्ता से कर्म की गुणवत्ता तथा कर्म की गुणवत्ता से वस्तुओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखना संभव है। जिस प्रकारउत्पादों की गुणवत्ता उत्पादक के विचारों-भावों से ही नियंत्रित होती है, उसी तरह व्यक्ति के व्यवहार -व्यक्तित्व की गुणवत्ता भी विचारों-भावों से ही नियंत्रित होती है। जब कोई अशिष्टता से पेश आता है तो हम अंग्रेज़ी का जुमला इस्तेमाल में लाते हैं- माइंड योर लैंग्वेज। पर क्या भाषा पर नियंत्रण द्वारा हम अपनी मनोदशा या व्यवहार बदल सकते हैं? यदि बाहरी दबाव से ऐसा किया जाता है तो वो कुछ समय के लिए संभव है लेकिन स्थायी रूप से नहीं। भाषा हमारे भावों अथवा विचारों की बाह्य अभिव्यक्ति होती है। यदि हम भाषा पर पूर्ण नियंत्रण कर पाते हैं तो इसका सीधा अर्थ है कि हमने अपने विचारों पर भी नियंत्रण कर लिया है जो वास्तव में मन पर नियंत्रण द्वारा ही संभव है। इस प्रकार का नियंत्रण ही महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वो स्थायी होता है। जैसा हम चाहते हैं या जो अच्छा है वो मन के स्तर पर होना चाहिए। उसमें मन की स्वीकृति होनी चाहिए। जिस प्रकार अपनी पसंद के सुंदर फूल पाने के लिए उन फूलों के पौधों के बीज बोना संभव है, उसी प्रकार अच्छे जीवन के निर्माण के लिए अच्छे कर्म करना और अच्छे कर्म करने को अच्छे विचारों का विकास करना भी संभव है। विचारों का उद्गम है मन। मन पर नियंत्रण द्वारा हम गलत विचारों पर रोक लगा सकते हैं तथा अच्छे विचार भर सकते हैं। यदि जीवन रूपी बगिया रंगों से सराबोर करनी है तथा महकानी है तो मन रूपी बगिया में अच्छे विचार-बीज बोइए, सकारात्मक सोच के पौधे लगाइए। प्रायः कहा जाता है कि पुरुषार्थ से ही कार्य सिद्ध होते हैं, मन की इच्छा से नहीं। बिलकुल ठीक बात है लेकिन मनुष्य पुरुषार्थ कब करता है? पहली बात, मन की इच्छा के बिना पुरुषार्थ असंभव है। मनुष्य में पुरुषार्थ या हिम्मत अथवा प्रयास करने की इच्छा भी भाव से ही उत्पन्न होती है और सभी भाव मन द्वारा उत्पन्न-संचालित होते हैं। अतः मन की उचित दशा अथवा सकारात्मक विचार ही पुरुषार्थ को संभव बनाते हैं। मन में उत्पन्न होने वाले प्रेरणास्पद भाव ही पुरुषार्थ के लिए उत्प्रेरक तत्व का कार्य करते हैं। यदि मन ही साहस, स्फूर्ति व सफलता प्राप्त करने की कामना से रहित हो तो कुछ भी संभव नहीं। सफलता पूर्ण रूप से पुरुषार्थ पर नहीं, मन की इच्छा पर निर्भर है। इच्छाएं ही हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं, लेकिन संतुलित सकारात्मक इच्छाएं क्योंकि जैसी इच्छा वैसा परिणाम। कुछ लोग इच्छाओं के त्याग की बात करते हैं लेकिन इच्छाओं के अभाव में हम एक क़दम भी आगे नहीं बढ़ा सकते। आज हम जो हैं अपनी इच्छाओं के कारण हैं। यदि हम अच्छी स्थिति में नहीं हैं तो हमें अपनी इच्छाएं बदलनी होंगी। उत्तम गुणवत्ता वाले विचारों का चयन सीखना होगा। हम सही विचारों का चयन करना सीखें ये इच्छा रखना भी अनिवार्य है। स्वास्थ्य विषयक सकारात्मक विचार आरोग्य प्रदान करेंगे तथा समृद्धि के प्रति विश्वास के विचार समृद्धि देंगे। कुछ लोग केवल भौतिक सुख-समृद्धि चाहते हैं। उनको ये सब मिलता भी है लेकिन वास्तविक सुख-संतुष्टि नहीं। जीवन में संतुष्टि की कामना करेंगे तो संतुष्टि भी मिलेगी। संतुष्टि के सामने मात्र भौतिक सुख और समृद्धि विशेष महत्व नहीं रखते। अतः मन को संतुलित सकारात्मक विचारों से ओतप्रोत रखना ही श्रेयस्कर है और यही अभीष्ट भी। आईएसआई मार्क वाली वस्तुएं ही नहीं, हमारे भाव भी आईएसआई मार्क वाले हों तभी जीवन में उत्कृष्टता का सही समावेश संभव है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव ना भूतो ना भविष्यति

(लेखक-सनत जैन)

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 9125 सभाएं आयोजित की। भाजपा नेताओं द्वारा 1377 रोड शो किए गए। 9077 सभाएं और नुक्कड़ सभाएं की गई। इसके साथ ही समूह स्तर पर हजारों बैठकें आयोजित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 दिनों में 19 चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने 6 रोड शो किए। गृह मंत्री अमित शाह ने 16 जनसभाएं और 15 रोड शो किए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 10 आम सभाएं और 16 रोड शो किए। स्टार प्रचारक हिंदू हृदय सम्राट उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ऊपर भी इस चुनाव की बड़ी जिम्मेदारी थी। उन्होंने नौ सभायें और 3 रोड शो किए। फायर ब्रांड महिला नेत्री और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने 17 आम सभा और 2 रोड शो किए। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा शर्मा ने भी 15 जनसभाएं और एक रोड शो किया। महाराष्ट्र के मुख्य उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी 13 जनसभाओं को संबोधित किया। इसके अतिरिक्त पिछले महीनों से लगातार केंद्रीय मंत्री कर्नाटक में जाकर चुनाव प्रचार कर रहे थे। एक दर्जन केंद्रीय मंत्री और 4 दर्जन से अधिक सांसद पिछले कई महीनों से कर्नाटक में चुनावी संरचना में जुटे थे। भाजपा ने 128 राष्ट्रीय स्तर के नेताओं को कर्नाटक के चुनाव प्रचार में उतारा था। कर्नाटक के 311 मठ और मंदिरों में जाकर भाजपा ने अपनी हाजिरी देकर दस्तक लगाई।

भारतीय जनता पार्टी ने अपने सारे संसाधन कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में झोंक दिए।हजारों करोड़ रुपयें चुनाव में खर्च किये। ईडी - सीबीआई भी सक्रिय रही। इसके पहले किसी भी राज्य का ऐसा कोई चुनाव भाजपा द्वारा नहीं लड़ा गया। जहां पर इतनी ताकत और इतना पैसा लगाया गया हो। नेशनल मीडिया भी लगातार कर्नाटक चुनाव का कवरेज करता रहा। नेशनल मीडिया का झुकाव निश्चित रूप से भाजपा के पक्ष में होता हुआ दिखा। कर्नाटक के मतदाताओं को पहली बार इस तरह के चुनाव प्रचार पर आश्चर्य हुआ।

कांग्रेस ने भी इस चुनाव में अपनी सारी ताकत लगा दी। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी तथा उनकी बहन प्रियंका गांधी कर्नाटक के चुनाव प्रचार में लगातार सक्रिय रहीं। कर्नाटक के प्रादेशिक कांग्रेस नेता एकजुट होकर चुनाव लड़े। मलिकार्जुन खरगे प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ने बिना किसी डर और भय के आक्रमक रूप से चुनाव प्रचार किया। कांग्रेस नेता इस बार भाजपा नेताओं के किसी दबाव में नहीं आए। निडरता के साथ चुनाव प्रचार करते हुए देखे गए। कांग्रेसी नेताओं के इस आक्रमक स्वरूप का असर मतदाताओं में भी देखने को मिला। विधानसभा के चुनाव में कन्नड़ मतदाता भी मुखर होकर, अपनी राय व्यक्त कर रहा था। जो राजनेताओं को आश्चर्यचकित कर रहा था। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को जीतने के लिए भाजपा और कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत लगा दी। कर्नाटक के मतदाताओं के लिए लोकलुभावन वायदों की झड़ी लग गई। पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गारंटी के साथ वायदे किए। उन्होंने कर्नाटक की जनता को भरोसा दिलाया, कि इस बार जो वायदे कर रहे हैं, वह गारंटी के साथ पूरे होंगे। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में जिस तरीके से बजरंगबली का प्रवेश हुआ। वह कर्नाटक के मतदाताओं को आश्चर्यचकित कर रहा है। बजरंग दल की तुलना बजरंगबली के साथ करने से आम जनता के बीच में इसका दोहरा असर पड़ा है। एक पक्ष के ऊपर बजरंगबली का सकारात्मक प्रभाव पड़ा। वहीं एक एक बड़ा पक्ष चुनाव में बजरंगबली को जिस तरह से बजरंग दल के साथ जोड़ा गया। उससे जनता में नाराजगी भी देखने को मिली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की एक गलती इस चुनाव में भाजपा पर सबसे भारी पड़ती हुई दिख रही है। शाह ने कहा था कि अमूल कंपनी में नंदिनी मिल्क फेडरेशन का विलय कर दिया जाएगा। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया कर्नाटक के मतदाताओं में हुई है। जिसके कारण कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कन्नड़ अस्मिता और गुजराती मॉडल को लेकर मतदाताओं के बीच में गहरा असर पड़ा है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव परिणाम देश को एक नई दशा और दिशा देंगे। भारतीय जनता पार्टी यहां पर इतनी ताकत लगाने के बाद स्पष्ट बहुमत पा लेती है, तो विपक्ष की निराशा बढ़ेगी। कर्नाटक विधानसभा का चुनाव यदि कांग्रेस स्पष्ट बहुमत के साथ जीत गई तो, इसका असर आने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में पड़ना तय माना जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अप्रैल में ऑनलाइन भर्तियां घटीं, स्टार्टअप में तेजी कायमः रिपोर्ट

मुंबई । कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा होने से अप्रैल के महीने में संगठित क्षेत्र में ऑनलाइन भर्तियों की संख्या में एक साल पहले की तुलना में गिरावट हुई हैं। एक रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद अप्रैल में नवाचार-आधारित स्टार्टअप फर्मों में भर्तियों में खासी तेजी देखी गई। रिपोर्ट कहती है कि एक साल पहले की तुलना में अप्रैल, 2023 में संगठित क्षेत्र में ऑनलाइन भर्तियों की संख्या छह प्रतिशत गिर गई लेकिन नए एवं उभरते क्षेत्रों में नौकरियों के लिए अधिक आवेदन मांगे गए। मौजूदा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने कारोबार के लिए चुनौतीपूर्ण वातावरण पैदा कर दिया है और इसकी वजह से उन्हें तेजी से बदलते माहौल के अनुरूप खुद को ढालना पड़ रहा है। भले ही ऑनलाइन भर्तियों में कमी आई है लेकिन युवाओं के लिए उभरते क्षेत्रों में रोजगार के तमाम मौके उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप परिवेश में बदलाव आया है और यह मौजूदा रोजगार बाजार के बावजूद नई भर्तियों की मंशा दिखा रहा है। रिपोर्ट कहती है कि स्टार्टअप में से शिक्षण-प्रौद्योगिकी भर्तियां कर रहे शीर्ष पांच उद्योगों में शामिल है लेकिन पिछले साल की तुलना में हिस्सेदारी कम हुई है।

कमजोर हाजिर मांग से तांबा वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में बुधवार को जस्ता की कीमत 5.65 रुपये की गिरावट के साथ 746.05 रुपये प्रति क्विन्टल रही। एमसीएक्स में तांबा के मई माह में डिलीवरी वाले तांबा अनुबंध की कीमत 5.65 रुपये अथवा गिरावट के साथ 746.05 रुपये प्रति क्विन्टल रह गई। जिसमें 4,630 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से मुख्यत- वायदा कारोबार में तांबा कीमतों में गिरावट आई।

जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर ने आईपीओ के द्वारा 2,800 करोड़ रुपये जुटने की तैयारी में

मुंबई । जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी के पास विवरण पुस्तिका जमा की है। कंपनी की आईपीओ के द्वारा 2,800 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना है। सूत्रों के अनुसार, ''जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर ने आईपीओ के द्वारा 2,800 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिये विवरण पुस्तिका जमा की है। जेएसडब्ल्यू के बंदरगाह कारोबार से जुड़ी कंपनी ने आईपीओ के लिए सेबी के पास नौ मई, 2023 को विवरण पुस्तिका जमा की। इस बारे में जेएसडब्ल्यू के प्रवक्ता ने कुछ भी टिप्पणी करने से मना कर दिया। कंपनी आईपीओ के जरिये जुटाई गई राशि का उपयोग कर्ज को कम करने तथा क्षमता विस्तार की परियोजनाओं में करेगी। जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर, जेएसडब्ल्यू समूह की तीसरी कंपनी है जो शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगी। समूह की अन्य सूचीबद्ध कंपनियां जेएसडब्ल्यू एनर्जी और जेएसडब्ल्यू स्टील हैं।

इमरान के गिरफ्तार होते ही पाक के बिगड़े हालात, पाकिस्तानी रुपया धड़ाम

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान बदहाल इकॉनमी से तो जूझ ही रहा था, अब बिगड़ते राजनीतिक हालातों ने आग में घी डालने का काम किया है। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। दावा किया गया है कि उन्हें अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया गया है। इमरान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में बवाल मच गया है। वहां हालात बेकाबू हैं। लोग जमकर प्रदर्शन कर रहे हैं। दूसरी तरफ पाकिस्तानी रुपया भी बेकाबू हो रहा है। पाकिस्तानी रुपये में लगातार बिकवाली देखने को मिल रही है। कंगाली में आटा गीला, यह मुहावरा पाकिस्तान पर बिल्कुल ठीक बैठता है।

यूएस डॉलर की तुलना में पाकिस्तानी रुपया डालर की तुलना में 283.84 पर पहुंच चुका है यानी 283.84 पाकिस्तानी रुपये में एक डॉलर आ रहा है। वहीं, एक पाउंड 358 रुपया और एक यूरो 312 पर पहुंच गया है। वहीं, भारतीय रुपये की तुलना में पाकिस्तानी रुपया 3.45 पर था। इसका मतलब है कि एक भारतीय रुपया 3.45 पाकिस्तानी रुपये के बराबर है। पाकिस्तानी रुपया पिछले कुछ महीनों से भारी दबाव में चल रहा है। पाकिस्तानी इकॉनमी डिफॉल्ट की तरफ बढ़ रही है। पाकिस्तान में महंगाई ने लोगों का जीना दूभर कर रखा है। इस देश में महंगाई दर 36 फीसदी से ऊपर पहुंच चुकी है। वहीं, विश्लेषकों का कहना है कि देश की वास्तविक महंगाई दर इस आधिकारिक आंकड़े से काफी अधिक है। आईएमएफ ने अपने हालिया अनुमान में कहा था कि पाकिस्तान की इकॉनमी इस साल 0.2 फीसदी की दर से ग्रो करेगी। साल 2022 में यह 6 फीसदी की दर से बढ़ी थी, लेकिन यह अनुमान मौजूदा प्रदर्शनों से पहले लगाया गया था। इन प्रदर्शनों को देखते हुए ऐसा लगता है कि इस साल पाकिस्तान की इकॉनमी मंदी में चली जाएगी।

सोने में गिरावट, चांदी में उछला

नई दिल्ली । घरेलू बाजारों में बुधवार को सोने में गिरावट आई जबकि चांदी में तेजी दर्ज की गयी है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 265 रुपये नीचे आकर 61,585 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 61,850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी 120 रुपये बढ़कर 77,800 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की हाजिर कीमत 265 रुपये नीचे आकर 61,585 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गयी। वहीं विदेशी बाजारों में सोना नीचे आकर 2,033 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया। इसके अलावा चांदी बढ़कर 25.88 डॉलर प्रति औंस रह गयी।

बैंकों में लावारिस पड़े 35 हजार करोड़, सरकार चलाएगी अभियान

नई दिल्ली । बैंकों में लावारिस पड़ी जाम रकम को लेकर सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। एफएसडीसी की बैठक में बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों में बिना दावे वाली रकम को संबंधित लोगों तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाएगी। आपको बता दें कि बैंकों में 35000 करोड़ रुपए बिना दावे के रकम है, जिसका कोई दावेदार सामने नहीं आया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में फाइनेंशल स्टेबिलिटी ऐंड डिवेलपमेंट काउंसिल की बैठक में रेगुलेटर्स से कहा था कि वे बैंकिंग शेयर, डिविडेंड, म्यूचुअल फंड या इंश्योरेंस आदि के रूप में जहां भी बिना दावे वाली रकम पड़ी है, उसके सेटलमेंट के लिए विशेष अभियान चलाएं। बिना दावे वाली रकम वह होती है जो ऐसा कोई भी डिपॉजिट जिसमें दस साल या उससे ज्यादा समय से कोई गतिविधि नहीं देखी गई है यानी रकम जमा करने वाले ने न तो फंड जमा किया और न ही उसे निकालने की जहमत की। ऐसा अमूमन तब होता है जब खाताधारक अपने चालू या बचत खाता जिसे वह अब इस्तेमाल नहीं करना चाहता, उसे बंद कराना भूल जाते हैं या फिर बैंक में जमा एफडी को बैंक को सूचित किए बिना खाते में रखते हैं। ऐसे भी मामले होते हैं जहां खाताधारक की मृत्यु हो चुकी होती है और नॉमिनी या कानूनी वारिस बैंक में जमा रकम को लेने के लिए दावा नहीं कर पाते। देश के तमाम खातों में जमा 35 हजार करोड़ रुपए बिना दावे वाली रकम को इस साल फरवरी में बैंकों ने रिजर्व बैंक के सुपुर्द किया था। आपका खाता भी इस कैटिगरी में है या नहीं, तो बैंक की नजदीकी शाखा जाकर पता किया जा सकता है। बैंक की वेबसाइट पर जाकर भी इसकी जानकारी ली जा सकती है। खाता ऐक्टिव करने के लिए बैंक आपसे आईडी दस्तावेज, अड्रेस प्रूफ और खाता इस्तेमाल न करने की वजह पूछ सकता है। हालांकि रिजर्व बैंक ऐसी रकम के लिए सेंट्रल वेब पोर्टल जल्द लाने जा रहा है।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

अच्छे संकेतो के बाद भी बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई ।

शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतो के बाद भी बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव रहा। सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक में हुई जबरस्त खरीददारी के साथ ही विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने से भी बाजार में उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 178.87 अंक तकरीबन 0.29 फीसदी ऊपर आकर 61,940.20 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान यह 61,974.35 अंक तक ऊपर जाने के बाद 61,572.93 अंक तक फिसला। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 49.15 अंक तकरीबन 0.27 फीसदी उछलकर 18,315.10 अंक पर पहुंचकर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, नेस्ले और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं। वहीं इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाइटन के शेयर गिरे हैं। एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया के कॉस्पी, जापान के निक्की, चीन के शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट रही जबकि यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार नुकसान में बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड 1.39 फीसदी की गिरावट के साथ ही 76.36 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी के कारण आई है। सुबह तीस शेयरों वाला बीएसई सेक्स 106.29 अंक करीब 0.17 फीसदी ऊपर आकर 61,867.62 के स्तर पर जबकि पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 35.80 अंक तकरीबन 0.20 फीसदी बढ़कर 18301.60 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान प्री-ओपनिंग में बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। इस दौरान सेंसेक्स 132.53 अंक करीब 0.21 फीसदी उछलकर 61,893.86 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

वहीं निफ्टी 50.20 अंक तकरीबन 0.27 फीसदी तेजी के साथ ही 18316.15 के स्तर पर था।वहीं अमेरिका में महंगाई आंकड़े आने से पहले दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेत मिले हैं। इससे एशियाई बाजार में गिरावट दर्ज की गयी है।

एचडीएफसी बैंक ने महंगा किया कर्ज, एमसीएलआर में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी ने अपने ग्राहकों को जोरदार झटका दिया है। सें विलियत बैंक ऑफ बड़ौदा ने अलग-अलग अवधि के मार्जिनल कॉस्ट बेस्ड लेंडिंग रेट यानी एमसीएलआर में 15 बेसिस प्वाइंट यानी 0.15 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। इसे लिए अब बैंक से लोन लेना महंगा हो जाएगा। इस फैसले के चलते अब इस बैंक के कस्टमर्स के लिए होम लोन, पर्सनल लोन और ऑटो लोन महंगा हो जाएगा। बैंक ने अलग-अलग टेन्योर के लिए लेंडिंग रेट में 5 से 15 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की है। नई दरें 8 मई से लागू हो गई हैं। एमसीएलआर में बढ़ोतरी के साथ टर्म लोन पर ईएमआई बढ़ने की उम्मीद है। ज्यादातर कंज्यूमर लोन एक साल के मार्जिनल कॉस्ट बेस्ड लेंडिंग रेट के आधार पर होती है। ऐसे में एमसीएलआर में बढ़ोतरी से पर्सनल लोन, ऑटो और होम लोन महंगे हो सकते हैं। एचडीएफसी बैंक की वेबसाइट के मुताबिक, एक साल के एमसीएलआर को बढ़ाकर 9.05 फीसदी कर दिया गया है। ओवरनाइट एमसीएलआर अब 7.95 फीसदी है। एक महीने के एमसीएलआर को बढ़ाकर 8.10 फीसदी कर दिया गया है, जबकि इसके तीन महीने के एमसीएलआर अब 8.40 फीसदी हो गए हैं। बैंक का 6 महीने का एमसीएलआर अब 8.80 फीसदी है। इसके अलावा 2 साल का एमसीएलआर 9.10 फीसदी और 3 साल का एमसीएलआर 9.20 फीसदी है। जबकि भारतीय स्टेट बैंक में ओवरनाइट एमसीएलआर दर 7.90 फीसदी, एक महीने और 3 महीने के लिए 8.10 फीसदी, 6 महीने की अवधि के लोन पर 8.40 फीसदी और एक साल के लोन के लिए एमसीएलआर 8.50 फीसदी है। आईसीआसीआई बैंक में ओवरनाइट और एक महीने के लोन पर एमसीएलआर दर 8.50 फीसदी, 3 महीने के लिए 8.55 फीसदी, 6 महीने के लिए 8.70 फीसदी और एक साल के लिए 8.75 फीसदी है।

सेबी ने 7 कंपनियों पर ठोका लाखों का जुर्माना

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 7 कंपनियों पर लाखों का जुर्माना लगाया है। जिन पर कार्रवाई की है उनमें एसटीआईसी ट्रेडकॉम, स्टारलाइट देवकॉन, देवेश कॉमोसेल, पवन कुमार सरावगी एचयूएफ, शुभ लक्ष्मी ट्रेडिंग, देविंदर कुमार और किशोरचंद्रा गुलाबभाई देसाई शामिल हैं। सेबी ने अलग-अलग आदेशों में इन सात संस्थाओं पर पांच-पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने बीएसई पर इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में गैर-वास्तविक ट्रेडों में शामिल होने के लिए सात संस्थाओं पर कुल 35 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने बीएसई के इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में ट्रेडों के बड़े पैमाने पर उलटफेर का अवलोकन किया, जिससे एक्सचेंज पर आर्टिफिशियल वॉल्यूम का निर्माण हुआ। सेबी ने अप्रैल 2014 से सितंबर 2015 तक बीएसई पर खंड में लगी कुछ संस्थाओं की व्यापारिक गतिविधियों की जांच की। सेबी के अनुसार ये सात संस्थाएं उन लोगों में शामिल थीं, जो रिवर्सल ट्रेडों को अंजाम देने में शामिल थे। जानकार बताते हैं कि रिवर्सल ट्रेडों को गैर-वास्तविक माना जाता है क्योंकि ये ट्रेडिंग के समान्य स्थिति में रहते हैं और कृत्रिम तरीके से वॉल्यूम पैदा करने के लिए झूठ या भ्रामक प्रचार करते हैं या फिर भ्रामक स्थिति पैदा करते हैं। सेबी ने कहा कि इस मामले में इन सात कंपनियों ने प्रॉहिबिशन ऑफ फॉडलेंट एंड अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिसेज के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर जुर्माना लगाया गया है।

गो फर्स्ट को एनसीएलटी ने दी राहत, मैनेजमेंट और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को सस्पेंड किया

नई दिल्ली ।

एनसीएलटी ने एयरलाइन कंपनी गो फर्स्ट की दिवालिए होने के मामले को लेकर अपना फैसला सुना दिया है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने कंपनी को राहत देकर उसकी याचिका को स्वीकार कर कंपनी के मैनेजमेंट और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को भी सस्पेंड कर दिया है। इस राहत के बाद एयरलाइन को अपने आप को दुबारा रिवाइव करने का मौका मिलेगा। बता दें कि बीते हफ्ते एनसीएलटी ने गो फर्स्ट की याचिका पर सुनवाई करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। गो फर्स्ट ने अपना वित्तीय संकट गहराने के बाद एनसीएलटी के पास स्वैच्छिक दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने की अर्जी लगाई थी। इसके अलावा एनसीएलटी ने गो फर्स्ट के परिचालन के लिये अभिलाष लाल को इंटरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल यानी आईआरपी नियुक्त किया है।

एनसीएलटी ने समाधान पेशेवर से गो फर्स्ट को अपना काम तथा वित्तीय बाध्यताओं को पूरा करते रहने देने के साथ किसी भी कर्मचारी की छंटनी नहीं करने के लिए भी कहा है। एयरलाइन ने सबसे पहले अपनी फ्लाइट 3, 4 और 5 मई के लिए कैंसिल की थी। इसके बाद फ्लाइट सस्पेंशन को बढ़ाकर 9 मई तक किया। फिर 12 मई कर दिया गया। अब इस 19 मई तक सस्पेंड कर दिया गया है। उसके पास फ्यूल भराने का भी पैसा नहीं है। गो फर्स्ट की वेबसाइट के अनुसार एयरलाइन एक समय रोजाना 27 डोमेस्टिक और 8 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए 200 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती थी।

वाडिया समूह की गो फर्स्ट एयरलाइन ने विमान इंजन की आपूर्ति संबंधी समस्याओं का हवाला देकर कहा था कि वित्तीय परेशानी होने की वजह से कंपनी फ्लाइट का ऑपरेशन चालू रखने में समर्थ नहीं है। गो फर्स्ट ने अपना वित्तीय संकट गहराने के बाद एनसीएलटी के पास स्वैच्छिक दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने की अर्जी लगाई थी। गो फर्स्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कौशिक खोना ने कहा कि एनसीएलटी का एयरलाइन की स्वैछिक दिवाला कार्यवाही याचिका स्वीकार करने का निर्णय 'ऐतिहासिक फैसला है।' उन्होंने कहा कि यह कंपनी को पटरी पर लाने के लिये समय पर आया प्रभावी निर्णय है।

घरेलू मार्केट में चीनी की कीमतों में भारी उछाल, सरकार भी चिंतित

नई दिल्ली ।

गर्मी का सीजन आते ही घरेलू मार्केट में चीनी की कीमतों में भारी उछाल देखा गया है। जब कि चीनी के कम उत्पादन के अनुमान के बाद चीनी की बढ़ती रिटेल कीमत से सरकार परेशान है। चीनी की रिटेल कीमतों को थामने के लिए सरकार ने उपाय शुरू कर दिए हैं। शुगर कंपनियों से स्टॉक होल्डिंग का ब्यौरा मांगा गया है। स्टॉक होल्डिंग को लेकर 10 मई तक कंपनियों को पोर्टल पर घोषणा कर देने के लिए कहा गया है। दरअसल घरेलू मार्केट में अब चीनी की रिटेल कीमतों में तेजी आनी शुरू हो गई है। पिछले एक माह के दौरान चीनी की रिटेल कीमतों में 2 रुपये प्रति किलो की तेजी आ गई है। सरकार को लग रहा है, जैसे-जैसे डिमांड बढ़ेगी तो कीमतें बढ़ सकती हैं। इसकी जमाखोरी भी शुरू हो चुकी है। यही कारण है कि सरकार ने अब कंपनियों से चीनी को लेकर स्टॉक होल्डिंग का ब्यौरा मांगा है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि सरकार चीनी को लेकर मार्केट में पैनिक नहीं बनाना चाहती। स्टॉक होल्डिंग का ब्यौरा मिलने के बाद सरकार यह देखेगी कि देश में चीनी की कितनी डिमांड है और उसके अनुपात में देश में कितनी उपलब्ध है। स्टॉक होल्डिंग मिल जाने के बाद इसकी मार्केट सप्लाई पर नजर रखी जाएगी। अगर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो फिर स्टॉक होल्डिंग लिमिट या फिर अन्य बड़े फैसले लिए जाएंगे।

रिलायंस के खिलाफ सरकार की याचिका खारिज, अंबानी को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली ।

गैस चोरी मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज को बड़ी राहज मिली है। दिल्ली हाई कोर्ट ने मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उस पर गैस चोरी के आरोपों को नकारने वाले मध्यस्थता प्राधिकरण के फैसले को बरकरार रखा। प्राधिकरण के फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार ने याचिका दी थी, जिसे हाई कोर्ट ने मंगलवार को खारिज कर दिया। हाई कोर्ट ने माना कि मौजूदा विवाद को लेकर ट्रिब्यूनल का फैसला तथ्यों पर आधारित सबसे सटीक संभावित फैसला है, जिसमें दखल देने की उसे कोई जरूरत नहीं।

असल में प्राधिकरण (आर्बिट्रेशन ट्रिब्यूनल) ने फैसले में कहा था कि रिलायंस को कॉन्ट्रैक्ट वाले इलाके के अंतर्गत पेट्रोलियम ऑपरेशन चलाते हुए सभी हाइड्रोकार्बन उत्पन्न करने का अधिकार था, जिसमें बगल के ब्लॉक से माइग्रेट होकर आई हाइड्रोकार्बन भी शामिल हो सकता है। जस्टिस अनूप जयराम भंभानी ने ट्रिब्यूनल के उक्त फैसले के खिलाफ मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम ऐंड नेचुरल गैस की अपील को ठुकरा दिया। कोर्ट ने कहा कि मध्यस्थता प्राधिकरण का फैसला ही इसमें एक तथ्यात्मक नतीजा है, जिसके अलावा किसी दूसरे अनुमानित नतीजे के बारे में यह कोर्ट नहीं सोच सकता।

कोर्ट ने कहा कि यह पूरी तरह से तर्कसंगत, सुसंगत और तार्किक फैसला है। खासतौर पर कॉन्ट्रैक्ट में शामिल दो पक्षों के बीच पीएसी में शामिल एक विशुद्ध रूप से कमर्शल लेनदेन पर विचार करते हुए। सार में अपनी राय रखते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि यह कहना काफी है कि आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल ने जो नजरिया अपनाया, वही निश्चित रूप से एक संभावित रुख है, जिसमें दखल की कोई जरूरत नहीं है। मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम ऐंड नेचुरल गैस ने रिलायंस इंडस्ट्रीज, निको और ब्रिटिश पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन (एल्फा) को प्रोडक्शन शेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट (पीएसआर) के तहत आंध्र प्रदेश में कृष्णा-गोदावरी बेसिन के पास एक ब्लॉक से नेचुरल गैस का पता कर उसे जमा करने का ठेका दिया। इसमें रिलायंस ऑपरेटर था। केंद्र सरकार ने 24 जुलाई 2018 में घोषित मध्यस्थता प्राधिकरण के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

क्लाइमेट ग्रुप ने छोड़ा साथ, अडानी की तीन कंपनियों को तगड़ा झटका

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद मुश्किलों का सामना कर रहे गौतम अडानी समूह को नया झटका लगा है। दरअसल ग्रुप की तीन कंपनी- अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, अडानी पोर्ट्स और अडानी ट्रांसमिशन को कॉरपोरेट ग्रीन गोल्स के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित क्लाइमेट ग्रुप का समर्थन मिलना बंद हो गया है। यह अडानी समूह के लिए झटका है क्योंकि यह समूह भारत के एनर्जी ट्रांसिशन के लीडर बनने की कोशिश में लगा है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र समर्थित क्लाइमेट ग्रुप ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने पर पेरिस समझौते के लक्ष्य के अनुरूप उत्सर्जन को कम करने के लिए कंपनियों को ठोस योजनाएं बनाने में मदद करता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी समूह की तीन कंपनियों को साइंस बेस्ड टार्गेट्स इनिशिएटिव (एसबीटीआई) द्वारा प्रकाशित कंपनीज टेकिंग एक्शन लिस्ट से बाहर किया गया है। एसबीटीआई के एक प्रवक्ता ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा- सार्वजनिक रूप से उपलब्ध और प्रस्तुत की गई जानकारी के आधार पर एक आंतरिक मूल्यांकन किया गया। इसके बाद निष्कर्ष निकला कि अडानी समूह की कंपनियां पहल के मानकों और नीतिगत आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हैं। सस्टेनेबिलिटी-माइंडेड निवेशक आमतौर पर एसबीटीआई की मंजूरी का इंतजार करते हैं। एसबीटीआई ने अडानी समूह के अलावा अपनी सूची से कम से कम 16 अन्य कंपनियों को हटा दिया है। हालांकि, समूह की कंपनी- अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड और एसीसी लिमिटेड ने सूची में अपना स्थान बनाए रखा है।

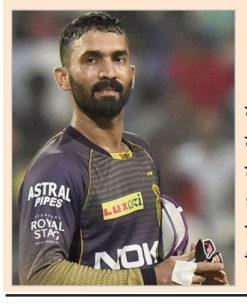

बीमार होने के बाद भी कार्तिक ने खेली आक्रामक पारी

मुंबई । मुंबई इंडियंस के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरबसीबी) के खिलाफ मुकाबले के दौरान बीमार हो गये। इसी कारण वह विकेटकीपिंग भी नहीं कर पाये। उनकी जगह अनुज रावत ने विकेटकीपिंग की। कार्तिक ने आरसीबी के खिलाफ 18 गेंदों में 30 रन बनाये। कार्तिक पवेलियन लौटते समय खांसते नजर आए। इसके बाद उन्हें उल्टी भी हुई। वहीं आरसीबी के मुख्य कोच और भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय बांगड़ ने कहा कि कार्तिक की तबीयत ठीक नहीं है। फिर भी वह बल्लेबाजी के लिए उतरे। यहां तक कि वह डगआउट में वापस आने के बाद भी उल्टी कर रहे थे। उन्होंने साथ ही कहा, अपनी पारी के दौरान कार्तिक बीमार महसूस करने लगे। उनके शरीर में पानी की कमी हो गयी थी। हमें उम्मीद है कि वह अगले मैच तक ठीक हो जाएंगे। वहीं बांगर ने कहा कि कार्तिक उनके लिए एक अहम खिलाड़ी हैं और अगर टीम को प्लेऑफ में जाना है तो उन्हें फिनिशर की भूमिका निभानी होगी। ऐसे में उनका समय से ठीक होना हमारे लिए जरुरी है।

15 अक्टूबर को एकदिवसीय विश्वकप में भिड़ेंगे भारत और पाकिस्तान

मुम्बई ।

इस साल के अंत में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप का पहला मुकाबला गत विजेता इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच 5 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं फाइनल भी 19 नवंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही होगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपना पहला मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में खेलेगी। जबकि भारत ओर पाकिस्तान के बीच होने वाला सबसे बहुप्रतिक्षित मुकाबला 15 अक्टूबर को खेला जाएगा। वहीं, एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार भारत के लीग मैच सात स्थानों पर होंगे। इसमें अगर भारतीय टीम फाइनल में पहुंचती है तो अहमदाबाद में भारत-पाकिस्तान मैच के अलावा एक और मैच हो सकता है।

इस रिपोर्ट के अनुसार अब तक तैयार अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार पाक टीम के मैच अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलुरु में होंगे। अहमदाबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद के अलावा, कोलकाता, दिल्ली, इंदौर, धर्मशाला, गुवाहाटी, राजकोट, रायपुर और मुंबई भी मैचों के लिए स्थान के तौर पर तय किये गये हैं हालांकि इस सूची में मोहाली और नागपुर के नाम नहीं हैं। इसके अलावा मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में सेमीफाइनल खेला जा सकता है।

सभी मैच पिछले विश्वकप की तरह ही राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेले जाएंगे, जहां प्रत्येक टीम दूसरे के खिलाफ कम से कम एक बार खेलेगी। फिर प्रत्येक टीम के नौ मैच खेलने के बाद अंत में शीर्ष चार टीमें रहेंगी जो सेमीफाइनल के लिए क्वॉलिफाई करेंगी। कुल मिलाकर विश्व कप में 10 टीमें रहेंगी और कुल 48 मैच खेले जाएंगे।

आठ टीमों ने इस विश्वकप के लिए प्रवेश लिया है। दक्षिण अफ्रीका की टीम को बारिश के कारण चेम्सफोर्ड में बांग्लादेश और आयरलैंड का सुपर लीग मैच रद्द होने के कारण इसमें प्रवेश मिल गया है।

आयरलैंड को आईसीसी वनडे सुपर लीग के जरिए विश्व कप में प्रवेश करने के लिए सीरीज के तीनों मैच में जीत दर्ज करनी थी पर ऐसा नहीं हो पाया। इस कारण दक्षिण अफ्रीका को जगह मिल गयी। ऐसे में अब आयरलैंड को अब जून और जुलाई में होने वाले अंतिम क्वॉलिफाइंग दौर के मुकाबले जीतने होंगे। वहीं बांग्लादेश ने पहले ही विश्वकप के लिए जगह बना ली थी।

अहमदाबाद में उद्घाटन मैच और फाइनल मैच।

- 5 अक्टूबर को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच शुरुआती मैच।
- भारत अपना पहला मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में खेलेगा।
- 15 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान का मुकाबला।
- वानखेड़े में होगा सेमीफाइनल , फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा।

रोनाल्डो के बाद मेसी भी सउदी अरब के क्लब से खेलेंगे

4 अरब 70 करोड़ का होगा करार

बार्सिलोना ।

अर्जेंटीना के कप्तान और फ्रांस के पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) क्लब से खेलने वाले स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी अब सऊदी अरब के अल-हिलाल क्लब से खेलेंगे। मेसी साल 2021 में स्पेन के बार्सिलोना क्लब को छोड़कर पीएसजी गये थे पर वहां भी उनके मतभेद हो गये। ऐसे में अब वह वह सऊदी अरब के अल-हिलाल क्लब के साथ 522 मिलियन यूरो करीब 4 अरब 70 करोड़ में एक करार करने जा रहे हैं। इससे पहले पुर्तगाल के कप्तान और उनके प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी सऊदी अरब के ही अल नस्त्र क्लब चले गये थे। ऐसे में अब यहां दोनो के बीच फिर रोमांचक टक्कर देखने को मिलेगी।

मेसी पर उनके क्लब पीएसजी ने सऊदी अरब जाने पर दो सप्ताह की रोक लगायी हुई है। इसका कारण है कि मेसी क्लब को बताये बिना ही सऊदी अरब चले गए थे। इस कारण वह एक अभ्यास सत्र से भी बाहर हो गये थे। मेसी ने बाद में इसके लिए माफी भी मांगी थी, जिसकी एक वीडियो भी वायरल हुई थी। वहीं मेसी अपने पूर्व क्लब बार्सेलोना के साथ बातचीत को लेकर चर्चा में रहे थे और ये माना जा रहा था कि वह बार्सिलोना लौट सकते हैं पर क्लब की कमजोर आर्थिक हालत के कारण ऐसा संभव नहीं हुआ।

स्ट्राइकोवा ने वापसी करते हुए महिला एकल में पहला मुकाबला जीता

रोम । चेक गणराज्य की बारबरा स्ट्राइकोवा ने बच्चे के जन्म के बाद वापसी करते हुए महिला एकल में पहली जीत दर्ज की है। स्ट्राइकोवा ने इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर के महिला एकल मुकाबले में बेल्जियम की मेरिना जानेवस्का को तीन सेट में हराया। स्ट्राइकोवा ने मेरिना के खिलाफ 6-1, 3-6, 6-3 से जीत हासिल की। स्ट्राइकोवा अब अगले दौर में नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सकारी से खेलेंगी। वहीं एक अन्य मुकाबलों में एना ब्लिंकोवा ने मायर शेरिफ को 2-6, 6-2, 6-3 से हराया जबकि नूरिया पेरिजास डियास ने ज्यूल नीमेइर को 4-6, 6-4, 6-2 से पराजित किया। वही अपने बेटे विन्सेंट के जन्म के कारण दो साल से खेल से दूर थीं। इस खिलाड़ी ने दो हफ्ते पहले मैड्रिड ओपन के साथ वापसी की थी। मैड्रिड में स्ट्राइकोवा को एकल वर्ग के पहले दौर में ही हार झेलनी पड़ी थी। यहां उन्होंने अपनी जोड़ीदार सीह सू वेई के साथ मिलकर युगल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

महिला जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय हॉकी टीम घोषित

प्रीति भारतीय टीम की कप्तानी करेंगी

नई दिल्ली ।

हॉकी इंडिया ने अगले माह दो जून से जापान के काकामिगाहारा में शुरू होने वाले महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए प्रीति की कप्तानी में 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को कोरिया, मलेशिया, चीनी ताइपे और उज्बेकिस्तान के साथ पूल ए में रखा गया है, जबकि पूल बी में मेजबान जापान, चीन, कजाकिस्तान, हांगकांग और इंडोनेशिया शामिल हैं। जूनियर एशिया कप अहम टूर्नामेंट है क्योंकि इसमें शीर्ष पर रहने वाली तीन टीम इस साल होने वाले एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। इसमें प्रीति भारतीय टीम की कमान रहेंगी जबकि दीपिका को इसके लिए उपकप्तान बनाया गया है। मुख्य कोच यानिक शोपमैन ने कहा,'' जूनियर एशिया कप के लिए 18 खिलाड़ियों का चयन करना आसान नहीं था पर मेरा मानना है कि हमने सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन किया। भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है और यह इन युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना कौशल दिखाने का शानदार अवसर है।'' भारतीय टीम तीन जून को उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और इसके बाद मलेशिया, कोरिया और चीनी ताइपे के खिलाफ मैच खेलेगी। इसके सेमीफाइनल 10 जून को और फाइनल 11 जून को होंगे।

जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है-

गोलकीपरः माधुरी किंडो, अदिति माहेश्वरी

डिफेंडरः महिमा टेटे, प्रीति (कप्तान), नीलम, रोपनी कुमारी, अंजली बरवा

मिडफील्डरः रुताजा दादासो पिसल, मंजू चोरसिया, ज्योति छत्री, वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, सुजाता कुजूर, मनश्री नरेंद्र शेडगे

फॉरवडः मुमताज खान , दीपिका (उपकप्तान), दीपिका सोरेंग, अन्नू, सुनलिता टोप्पो।

संक्षिप्त समाचार

बोमन, बेली और कार्तिकी को सीएसके ने सम्मानित किया

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने एक विशेष कार्यक्रम में हाथी की देखभाल करने वाले बोमन और बेली तथा ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता कार्तिकी गोंजाल्वेस को सम्मानित किया है। सीएसके टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने एमए चिदंबरम स्टेडियम में प्रशिक्षण के बाद तीनों को ही सीएसके की जर्सी देकर सम्मानित किया। इसके अलावा इस जोड़े और फिल्म निर्माता को सुपर किंग्स की मालिक रूपा गुरुनाथ, सीईओ केएस विश्वनाथन ने स्मृति चिन्ह भी प्रदान किये। इस दौरान सीएसके ने हाथियों के कल्याण के लिए मुदुमलाई टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन को एक चेक भी भेंट किया। साथ ही कहा कि हम अपने हाथियों की देखभाल करने वाले बोमन और बेली को कार्तिकी के साथ सम्मानित कर बहुत खुश हैं, जिनकी दिल को छू लेने वाली कहानी दूर-दूर तक पहुंची है। यह हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है कि हमारे अपने लोग वैश्विक स्तर पर पहुंच गए हैं। वही विश्वनाथन ने कहा कि हाथियों का संरक्षण समय की आवश्यकता है ओर इसमें सहयोग देकर कमें खुशी हुई है।

राहुल की सर्जरी सफल रही

नई दिल्ली । टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज लोकेश राहुल की सर्जरी सफल रही है। राहुल ने कहा है कि वह शीघ्र ही टीम में वापसी करेंगे। आईपीएल में लखनऊ सुपरजाइंट्स के कप्तान राहुल की दायी जांघ पर गेंद लगी थी जिसके कारण वह आईपीएल सहित विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से भी बाहर हो गये थे। उसके बाद हुई जांच में तय हुआ कि उनकी जांघ ही सर्जरी होगी। राहुल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सर्जरी की जानकारी देते हुए लिखा,'' मेरा अभी-अभी ऑपरेशन हुआ है जो सफल रहा। चिकित्सकों और मेडिकल स्टाफ का बहुत-बहुत आभार जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि मैं सहज बनार रहूं और सब कुछ सुचारू रूप से चलता रहे।'' वहीं सात से 12 जून तक होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए राहुल की जगह पर युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। राहुल ने हालांकि कहा कि वह जल्द से जल्द भारतीय टीम में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा,'' अब मैं चोट से उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहा हूं। मैं पूरी तरह फिट होने और मैदान पर वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।'' राहुल का लक्ष्य इस साल के होने वाले एकदिवसीय विश्वकप से पहले फिट होना है।

मुंबई इंडियन्स ने आरसीबी को छह विकेट से हराया

मुंबई ।

सूर्यकुमार यादव और नेहल वढेरा की शानदार बल्लेबाजी से मुंबई इंडियन्स ने यहां आईपीएल लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही मुम्बई की टीम 11 मैच में 10 अंक के साथ ही अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है। इस मैच में सूर्यकुमार और नेहल ने शानदार अर्धशतक लगाये। इस मैच में मुंबई इंडियन्स ने आरसीबी से जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य को 21 गेंद पहले ही चार विकेट के नुकसान पर 200 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस मैच में सूर्यकुमार ने सात चौके और छह छक्के लगाकर 35 गेंद में 83 रन जबकि नेहल ने 34 गेंद में चार चौके, तीन छक्के लगाकर 52 रन बनाये। इन दोनो के बीच 66 गेंद में ही 140 रनों की की साझेदारी हुई। सलामी बल्लेबाज इशान किशन ने 21 गेंद में चार चौके और चार छक्के लगाकर 42 रन बनाये। इस मैच में मिली हार के साथ ही आरसीबी की टीम सातवें स्थान पर फिसल गयी है और उसके प्ले ऑफ में पहुंचने की संभानाएं भी लगभग समाप्त हो गयी हैं। इस मैच में आरसीबी की टीम मुम्बई के सामने टिक नहीं पायी। ग्लेन मैक्सवेल ने 68 रन, और कप्तान फाफ डुप्लेसी ने 65 रन बनाये। इसके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज मुम्बई के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाया। इन दोनों के अलावा केवल दिनेश कार्तिक ही 30 रन बनाकर 20 रनों का आंकड़ा पार कर पाये। इस प्रकार टीम छह विकेट पर 199 रन ही बना पायी।

मुंबई की ओर से जेसन बेहरेनडोर्फ ने 36 रन देकर तीन विकेट जबकि कैमरन ग्रीन, कुमार कार्तिकेय और क्रिस जोर्डन ने एक-एक विकेट लिया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए मुम्बई के कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर नाकाम रहे ओर केवल सात रन बही बना पाये। इसके बाद सूर्यकुमार और वढेरा ने पारी को संभाला और अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

आरसीबी की योजना को विफल करने ही नेहल को जोर से शॉट खेलने कहा : सूर्यकुमार

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में अपनी टीम मुंबई इंडियंस की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने कहा कि आरसीबी ने उन्हें रन बनाने से रोकने के लिए धीमी गेंदबाजी की योजना बनायी थी। सूर्या ने कहा कि वह जानते थे कि रन कहां से बन सकते हैं और इसलिए उन्होंने साथी बल्लेबाजी नेहल वढेरा से धीमी गेंदबाजी पर जोर से शॉट खेलने को कहा सूर्यकुमार ने कहा, यह रुख टीम के नजरिये से बहुत जरूरी है। मैं इस तरह घरेलू मैदान में मैच जीतकर बहुत उत्साहित हूं क्योंकि आरसीबी एक योजना लेकर आयी थी। उन्होंने गति को कम किया और धीमी गेंदबाजी की। मैंने भी कहा कि नेहल चलो इसे जोर से मारो और इसे खाली जगह में मारो और जोर से दौड़ो। आपका अभ्यास वही होनी चाहिए, जो आप मैचों में करना चाहते हैं। मुझे पता था कि मेरे रन कहां से आएंगे। मैं अपना खेल जानता हूं और इससे कुछ अलग नहीं करता। इस मैच में सूर्यकुमार और नेहल की साझेदारी से मुंबई ने आरसीबी को छह विकेट से हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं पक्की कीं। वहीं आरसीबी की टीम 11 मैच में 10 अंक के साथ ही सातवें स्थान पर खिसक गई है और ऐसे में उसका प्ले ऑफ में पहुंचना कठिन हो गया है।

कैंसर के प्रति जागरुकता फैलाने बैंगनी पोशाक पहनकर उतरेगी गुजरात

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस टीम कैंसर के खिलाफ अभियान का समर्थन करने के लिए यहां 15 मई को होने वाले मैच में बैंगनी रंग की पोशाक में उतरेगी। इसमें गुजरात का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। यह आईपीएल में घरेलू मैदान पर उसका अंतिम मैच होगा। बैंगनी रंग की पोशाक पहनने का फैसला इसलिए किया गया है जिससे कि कैंसर को लेकर लोगों में जागरूकता फैले। भारत सहित दुनिया भर में कैंसर के कारण हर साल हजारों लोगों की मौत होती है। वहीं बैंगनी रंग कैंसर के सभी प्रकारों का प्रतीक है तथा यह इस खतरनाक बीमारी से प्रभावित लोगों के बारे में हमें बताता है। टाइटंस के खिलाड़ी बैंगनी रंग की पोशाक पहनकर लोगों में इस बीमारी के प्रति जागरुक करना चाहते हैं।

रॉयल्स को हराकर शीर्ष चार में जगह बनाने उतरेगी केकेआर

कोलकाता ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम गुरुवार को यहां होने वाले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी। केकेआर ने पिछले कुछ मुकाबलों में जीत से लय हासिल की है जिससे उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ है। इसके साथ ही उसे घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। टीम ने इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबलों में अंतिम ओवर में जीत दर्ज कर अपनी जुझारु क्षमता दिखायी है। इससे वह अंक तालिका में आठवें से छठे स्थान पर पहुंच गयी है। उसके अब केकेआर और राजस्थान रॉयल्स सहित चार टीमों के बराबर 10 अंक हैं।रॉयल्स की टीम अभी रन रेट के कारण तालिका में केकेआर से आगे है पर इस मैच में मिली जीत से केकेआर की टीम आगे निकल जाएगी। केकेआर इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है क्योंकि उसके खिलाड़ी जबरदस्त फार्म में हैं विशेषकर रिंकू सिंह ने लगातार अपने को मैच विजेता साबित किया है। पिछले मैच में भी रिंकू ने अंतिम गेंद पर चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

वहीं दूसरी ओर पिछले तीन मैचों से मिली हार से राजस्थान के खिलाड़ियों को उबरना होगा।रॉयल्स की टीम अपनी गलत रणनीति के कारण 200 रन से अधिक के स्कोर का बचाव करने में विफल रही और इससे अब उसकी संभावनाएं कम होती जा रही हैं जबकि शुरुआत में वह अंकतालिका में शीर्ष पर थी। केकेआर की टीम के पास वरुण चक्रवर्ती एक अच्छे गेंदबाज हैं। उन्होंने पिछले दोनो मैचों में विरोधी टीम को कम स्कोर पर रोका था। सनराइजर्स के खिलाफ जहां वरुध ने अंतिम ओवर में नौ रन का सफलतापूर्वक बचाव किया, वहीं उनकी गेंदबाजी के कारण ही पंजाब टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। ऐसे समय में जबकि अनुभवी गेंदबाज सुनील नारायण भी विफल रहे थे , तब वरुण ने विकेट लेकर केकेआर की संभावनाएं जगायीं थीं। उन्होंने इस सत्र में अभी तक 17 विकेट हासिल किए हैं। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ भी उनके चार ओवर अंतर पैदा करेंगे। केकेआर की टीम प्रबंधन ने ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को पंजाब के खिलाफ मैच में गेंदबाजी नहीं दी थी। तब उनकी जगह गेंदबाजी करने वाले वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा काफी महंगे साबित हुए थे। अब देखना होगा कि केकेआर अगले मैच में शार्दुल को शामिल करती है या नहीं। वहीं दूसरी ओर कप्तान संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसके पास यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर जैस आक्रामक बल्लेबाज है। ऐसे में केकेआर को जीत के लिए इन दोनो पर ही अंकुश लगाना होगा।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने गंभीर का आभार जताया, बीमार सास के इलाज में की थी सहायता

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर और लखनऊ सुपरजायंट्स के मेंटोर गौतम गंभीर भारतीय टीम के पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा की सहायता के लिए सामने आये हैं। गंभीर ने राहुल की बीमार सास के इलाज के लिए सर्वश्रेष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट के साथ ही अस्पताल में भी व्यवस्था करायी। राहुल ने इस मामले में गंभीर का आभार जताते हुए दो तस्वीरें ट्वीट की है। भारतीय टीम की ओर से चार एकदिवसीय और दो टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले राहुल की सास ब्रेन हेमरेज से पीड़ित थीं। ऐसे में राहुल ने इलाज के लिए गंभीर से सहायता मांगी तो उन्होंने इस मामले में तत्काल कार्रवाई की। गंभीर भाजपा सांसद भी हैं। राहुल ने लिखा, पिछला महीना मेरे लिए बहुत मुश्किलों भरा था। मेरी सास को ब्रेन हेमरेज हुआ था। उनकी हालत नाजुक थी। ऐसे समय में गंभीर और उनके सहायक गौरव अरोड़ा ने मेरी सहायता करते हुए कम समय में सर्वश्रेष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट और अस्पताल की व्यवस्था करवाई। सर्जरी सफलतापूर्वक हो गई है। अब वह बिल्कुल ठीक है और उत्कृष्ट देखभाल के लिए गंगाराम अस्पताल और उनके कर्मचारियों को धन्यवाद।गौरतलब है कि गंभीर जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए हमेशा आगे आये हैं। कोरोना काल में भी उन्होंने पीड़ितों के लिए दवा के भी इंतजाम किये थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है - 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं - बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है - फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

Parth

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान III द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरू का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जी चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्ठभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारित शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8-30 से शाम 5-30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

-20 डिग्री तापमान पर बर्फ खाकर जिंदा रहा 8 साल का बच्चा

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका में बर्फीले तूफान में फंसे 8 साल का एक बच्चा -20 डिग्री टेंपरेचर में महज एक वुलेन टीशर्ट पहनकर दो दिन तक जिंदा रहा। प्यास लगाने पर बर्फ खाकर प्यास बुझाई। बचने के लिए बच्चे ने ऐसी तकरीब अपनाई कि बचाव दल भी देखकर हैरान था। मामला अमेरिका के विस्कॉन्सिन का है। 8 साल का नांटे नीमी परिवार के लिए जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने के लिए जंगल गया लेकिन वहां रास्ता भटक गया। फिर वह अंदर की ओर चलता चला गया। नांटे कुछ भी रास्ता नहीं सूझ रहा था। वह पगडंडियों पर चलता रहा। जब बच्चे को लगा कि वह अब निकल नहीं सकता, तब वहां एक ऐसी जगह जाकर छिप गया जहां एक पेड़ था। उस जगह बर्फ बहुत थी और ठंड भी खूब लग रही थी, इससे बचने के लिए बच्चे ने पेड़ों की शाखाएं तोड़ीं। उससे एक झोपड़ीनुमा घर बनाया। पत्तियों से एक कंबल जैसी चीज तैयार की और उसी से बिस्तर भी बनाया। उसके पास खाने के लिए कुछ नहीं था, लेकिन पानी पीने के लिए वह साफ बर्फ खाता था। इस पर?त?यों की बदौलत ने उसे -20 डिग्री टेंपरेचर सहन लिया। जबकि बच्ची ने सिर्फ एक स्वेटशर्ट पहना हुआ था। सूचना मिलने के बाद 150 से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों आसमान, पानी और पैदल बच्चे को तलाशने निकले। नौ हेलिकॉप्टर्स लगाए गए। लगभग 40 वर्गमील क्षेत्र का कोना कोना तलाशा गया। आखिरकार वह एक लॉग के नीचे छिपकर बैठा हुआ नजर आया। पहले बच्चे को हेलिकॉप्टर के जरिए बाहर निकालना चाहा लेकिन बच्चे ने कहा कि वह पैदल ही आना चाहता है। आखिरकार वह बाहर आ गया और अभी सुरक्षित है।

यूरोपीय संघ प्रमुख से सदस्यता वार्ता शुरू करने का आग्रह

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने यूरोपीय संघ (ईयू) की सदस्यता पर बातचीत शुरू करने के लिए यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से आग्रह किया है। जेलेंस्की ने कीव में वॉन डेर लेयेन के साथ बातचीत के बाद संवाददाताओं से कहा कि यूरोपीय संघ में यूक्रेन की सदस्यता पर बातचीत शुरू करने के लिए सकारात्मक निर्णय लेने का समय आ गया है। जेलेंस्की ने कहा कि जून में यूरोपीय आयोग द्वारा यूरोपीय एकीकरण पर यूक्रेन की प्रगति का एक सकारात्मक अंतरिम मूल्यांकन प्राप्त हो सकता है। वॉन डेर लेयेन ने यूरोपीय आयोग द्वारा बातचीत शुरू करने के लिए रखी गई सात शर्तों को पूरा करने के यूक्रेन के प्रयासों को सकारात्मक बताया। आयोग के अध्यक्ष वॉन डेर लेयेन ने कहा, मैं इस काम के लिए अपना गहरा सम्मान व्यक्त करना चाहती हूं। कृपया जान लें कि आप इस प्रक्रिया में हमारी विशेषज्ञता और समर्थन पर भरोसा कर सकते हैं। गौरतलब है कि जून 2022 में, यूरोपीय संघ के नेताओं ने यूक्रेन को ईयू ब्लॉक में सदस्यता के लिए एक उम्मीदवार के रूप में स्वीकार किया। इस साल जनवरी में, प्रधानमंत्री डेनिस शिम्हल ने कहा था कि यूक्रेन का लक्ष्य अगले दो वर्षों के भीतर यूरोपीय संघ का सदस्य बनना है।

एंड्रॉइड का नियरबाए शेयर अब विंडोज के लिए हर जगह उपलब्ध

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने अब दुनिया भर के लगभग सभी देशों में विंडोज पीसी के लिए एंड्रॉइड की नियरबाय शेयर सुविधा उपलब्ध करा दी है। इस तरह से इस साल की शुरुआत में गूगल द्वारा अपनी प्रारंभिक रिलीज के बाद सेवा विस्तार के लिए महत्वपूर्ण उपल?ब्धि का संकेत है। गूगल ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि विंडोज के लिए नियरबाय शेयर अब दुनिया भर में उपलब्ध है, इसलिए आपके और भी डिवाइस एक साथ बेहतर काम कर सकते हैं। गौरतलब है कि नियरबाय शेयर के माध्यम से, एंड्रॉइड उपयोगकर्ता अपने पीसी के साथ वायरलेस तरीके से चाहे वे डेस्कटॉप हों या लैपटॉप, और एंड्रॉइड के मूल मेनू के माध्यम से फाइलें शेयर कर सकते हैं। गूगल ने शुरू में इस फीचर को केवल कुछ देशों तक सीमित कर दिया था, जिसमें अमेरिका पर प्राथमिक ध्यान दिया गया था। अब, गूगल के सपोर्ट पेज के अनुसार, विंडोज पीसी के लिए नियरबाय शेयर बीटा अमेरिका और विश्व के अधिकांश देशों में उपलब्ध है, हालांकि, वर्तमान में क्यूबा, ईरान, उत्तर कोरिया और सीरिया के लिए समर्थन उपलब्ध नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उपयोगकर्ता अपने पीसी पर ऐप को डाउनलोड और इंस्टॉल करके आसानी से विंडोज के लिए नियरबाय शेयर बीटा सेट कर सकते हैं। इस बीच, गूगल ने एंड्रॉइड फोन और टैबलेट पर अपने नियरबाय शेयर ऐप के लिए आपके द्वारा डिजाइन किए गए कंटेंट को रिलीज किया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पाक पीएम शहबाज, बेटा हमजा निर्दोष

इस्लामाबाद। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे हमजा को निर्दोष घोषित किया है। ब्यूरो ने अदालत में पूरक रिपोर्ट सौंपी इसके बाद इस मामले में शहबाज शरीफ, हमजा शहबाज और अन्य को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया। सुनवाई के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रतिनिधि अमजद हुसैन अदालत में पेश हुए। गौरतलब है कि एनएबी द्वारा दायर मामले में आरोप लगाया गया था कि शहबाज शरीफ और उनके परिवार के सदस्य मनी लॉन्ड्रिंग और फर्जी खातों के माध्यम से धन के अवैध हस्तांतरण में शामिल थे। जानकारी के अनुसार दिसंबर 2020 में, एफआईए ने पीएमएल-एन के दो नेताओं के खिलाफ चीनी घोटाला मामले में 16 बिलियन पीकेआर की राशि के शोधन में कथित संलिप्तता के लिए अदालत के समक्ष चालान पेश किया था। जांच दल ने शहबाज परिवार के 28 बेनामी (बिना शीर्षक वाले) खातों का पता लगाया था। इसके माध्यम से 2008 से 2018 के दौरान कथित रूप से 16.3 बिलियन पीकेआर की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप था। एफआईआर में शहबाज और हमजा समेत 14 अन्य लोगों का नाम था।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने लगाए नए प्रतिबंध भारतीय छात्रों पर पड़ेगा असर

सिडनी। कोरोना के कारण लगे प्रतिबंधों का असर उच्च शिक्षा पर भी पड़ा था, जिससे कुछ सालों के लिए विदेश से पढ़ाई करने का सिलसिला थम सा गया था। लेकिन प्रतिबंध हटने के बाद दुबारा से छात्र अपने पसंदीदा विदेशी कॉलेजों में पढ़ाई करने के लिए जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया भी उच्च शिक्षा के लिए पसंदीदा जगहों में से एक है। जहां बड़ी संख्या में भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई करते हैं। ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा विदेशी छात्रों की संख्या में भारतीय दूसरे नंबर पर आते हैं। मीडिया रिपोर्ट ने ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्रालय के हवाले से बताया है कि, जिन आवेदनों में फ्रॉड पाया जाता है, उन्हें 'नॉन ग्रांट' कैटिगरी में डाल दिया जाता है। जिससे वे 10 साल तक दुबारा आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होते हैं। इसके अलावा फ्रॉड की बढ़ती गतिविधियों के कारण कई विश्वविद्यालयों ने भारतीय छात्रों के आवेदन में अतिरिक्त सावधानी बरतना शुरू कर दिया है। कड़ी स्क्रूटनी के बाद ही अब विदेशी छात्रों को ऑस्ट्रेलिया में पढ़ने के लिए वीजा दिया जाएगा। बता दें कि वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में तकरीबन 89,700 भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं चीनी छात्रों का आंकड़ा 1.25 लाख है। भारतीय छात्रों की संख्या में 27 फीसदी की बढ़त देखी गई है। लेकिन नए प्रतिबंधों के कारण इसमें आने वाले सत्रों में कमी देखी जा सकती है।

भारतीय मूल के 12 लोग मनी लॉड्रिंग के मामले में दोषी ठहराए

लंदन। ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) ने भारतीय मूल के 12 लोगों को मनी लॉड्रिंग के मामले में दोषी ठहराया है। एनसीए ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी में शामिल पश्चिम लंदन स्थित एक संगठित अपराध समूह की जांच के बाद भारतीय मूल के कई पुरुषों और महिलाओं सहित 16 लोगों को दोषी ठहराया गया है। नेटवर्क के सदस्यों ने 2017 और 2019 के बीच दुबई और यूएई की सैकड़ों यात्राएं की और ब्रिटेन से 4.2 करोड़ पाउंड से अधिक की नकदी की तस्करी की। एनसीए की जांच के अनुसार, यह पैसा क्लास ए ड्रग्स की बिक्री और संगठित अप्रवासी अपराध से कमाया गया था। एनसीए के वरिष्ठ जांच अधिकारी क्रिस हिल ने कहा, व्यावसायिक स्तर पर मनी लॉन्ड्रिंग और संगठित आव्रजन अपराध में शामिल एक संगठित अपराध समूह में यह एक लंबी और जटिल जांच रही। एनसीए जांचकर्ता दो साल तक ब्रिटेन और विदेशों में भागीदारों के साथ मिलकर काम करते हुए साक्ष्य जुटाते रहे। लगभग 15 लाख पाउंड ब्रिटेन छोड़ने वाले कूरियर से जब्त किए गए थे।

मास्को के रेड स्कवायर में द्वितीया विश्व युद्ध में मिली जीत के 78 साल पूरे होने के अवसर पर हुई एक सैन्य परेड।

22 जून को पीएम मोदी के सम्मान में व्हाइट हाउस में डिनर, बाइडेन दंपत्ति करेंगे मेजबानी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक राजकीय यात्रा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी करने वाले हैं। पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा में 22 जून, 2023 को राजकीय रात्रिभोज भी शामिल होगा। व्हाइट हाउस ने बयान जारी करते हुए कहा है कि आगामी यात्रा संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच गहरी और करीबी साझेदारी की पुष्टि करेगी। अमेरिका ने कहा कि पीएम मोदी की ये यात्रा हमारे दोनों देशों की मुक्त, खुली, समृद्ध और सुरक्षित हिंद-प्रशांत के प्रति साझा प्रतिबद्धता और रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष सहित हमारी रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी को बढ़ाने के हमारे साझा संकल्प को मजबूत करेगी। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों ही देशों के शीर्ष नेता हमारे शैक्षिक आदान-प्रदान और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को और विस्तारित करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे, साथ ही साथ जलवायु परिवर्तन से लेकर कार्यबल विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा तक की आम चुनौतियों का सामना करने के लिए मिलकर काम करेंगे। बाइडेन ने इससे पहले दिसंबर में अपने पहले राजकीय रात्रिभोज के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रॉन की मेजबानी की थी। इस बीच, एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि बिडेन का मानना है कि भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी, जो दुनिया की प्रमुख ज्ञान अर्थव्यवस्थाएं हैं, प्रमुख वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए आवश्यक है।

इमरान की गिरफ्तारी पर पाकिस्तान सहित अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में प्रदर्शन

- दूतावासों के बाहर समर्थक कर रहे रिहाई की मांग

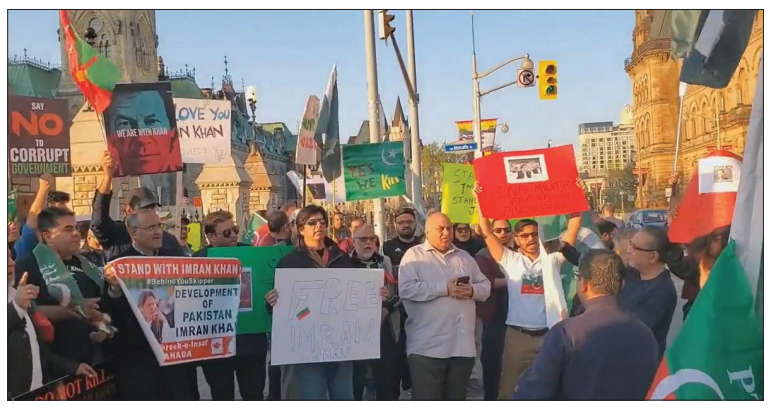

वाशिंगटन (एजेंसी)। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद से देश के कई हिस्सों में हिंसा का दौर शुरु हो गया है। पाकिस्तान एंटी करप्शन एजेंसी ने इमरान को इस्लामाबाद हाई कोर्ट से ही गिरफ्तार किया। बता दें कि इमरान अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले के आरोप में अदालत में पेश हो रहे थे। इसके बाद से हिंसा शुरू हो गई और सड़कों पर जमकर विरोध प्रदर्शन हुए। समर्थकों और पीटीआई के कार्यकर्ताओं ने लाहौर में कॉर्प्स कमांडर के घर पर भी हमला कर दिया। इमरान की गिरफ्तारी का असर अमेरिका में भी दिखाई दिया। 9 मई को वाशिंगटन में पाकिस्तान के राजदूत के आवास के बाहर एकत्र होकर प्रदर्शनकारियों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। वाशिंगटन, न्यूयॉर्क और शिकागो सहित शहरों में प्रदर्शन दिखाई दिए। अमेरिका ने पाकिस्तान में अराजकता पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाकिस्तान में लोकतांत्रिक सिद्धांतों और कानून के शासन का सम्मान करने का आह्वान किया है।

अमेरिका के अलावा लंदन में भी इमरान के समर्थकों ने पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर जमा होकर विरोध प्रदर्शन किया। इमरान के साथ एकजुटता का विरोध टेक्सास के डलास और साथ ही कनाडा के एक शहर मिसिसॉगा में भी देखा गया। कनाडा में प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान दूतावास के बाहर बड़ा विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। वहीं, वाशिंगटन में प्रदर्शनकारियों ने इमरान खान के लिए अपना समर्थन व्यक्त कर पीटीआई नेता को रिहा किए जाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, इमरान की गिरफ्तारी पाकिस्तान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए हानिकारक होगी। मैरीलैंड और वर्जीनिया सहित अन्य शहरों से आए प्रदर्शनकारियों ने वाशिंगटन में पाकिस्तान के राजदूत के आवास के बाहर 9 मई की शाम इमरान के समर्थन में बैनर और पोस्टकार्ड लहराए।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि अगर इमरान को कुछ भी होता है, तब मुझे पाकिस्तान में सबसे खराब स्थिति का डर है। हम उनकी तत्काल रिहाई की मांग करते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि अमेरिका के पास राजनीतिक उम्मीदवार या पार्टी पर कोई स्थिति नहीं है। पाकिस्तान में इमरान खान की नाटकीय गिरफ्तारी पर अधिकारी ने लोकतांत्रिक सिद्धांतों का सम्मान करने का आह्वान किया। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने कहा, हम सिर्फ यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पाकिस्तान में जो कुछ भी हो रहा है वह कानून के शासन और संविधान के अनुरूप हो। वहीं, यूके के विदेश सचिव जेम्स क्लेवरली ने कहा, हम पाकिस्तान में शांतिपूर्ण लोकतंत्र देखना चाहते हैं। हम कानून के शासन का पालन देखना चाहते हैं। पाकिस्तान में बढ़ती हिंसा को देखकर अमेरिका, कनाडा और यूके ने अपने नागरिकों और राजनयिक कर्मचारियों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है।

पीटीआई कार्यकर्ताओं ने इस्लामाबाद, रावलपिंडी, लाहौर, कराची, गुजरांवाला, फैसलाबाद, मुल्तान, पेशावर और मर्दन सहित पूरे पाकिस्तान के शहरों में विरोध प्रदर्शन किया। कराची में नर्सरी के पास प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गए। उन्होंने पुलिस वाहनों पर पथराव कर स्ट्रीट लाइटें भी फोड़ दीं। इस बीच, पीटीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष फवाद चौधरी ने कहा कि पार्टी इस्लामाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पार्टी अध्यक्ष इमरान खान की गिरफ्तारी को बरकरार रखने को चुनौती देने के लिए बुधवार सुबह उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। फवाद चौधरी ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को आश्चर्यजनक करार दिया।

यौनाचार मामले में ट्रंप को देना होगा 50 लाख डॉलर का हर्जाना

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को हर्जाने के रूप में 50 लाख डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया गया है। यह हर्जाना उस महिला को देना होगा जिसने उन पर बलात्कार का आरोप लगाया था। हालांकि यह दीवानी मामला होने के कारण उन्हें जेल नहीं जाना पड़ेगा। जूरी ने दशकों पहले एक हाई-एंड स्टोर के फिटिंग रूम में हुए हमले और ट्रम्प द्वारा उनके आरोपों को धोखाधड़ी कहकर उनकी मानहानि करने वाले दीवानी मामले में मंगलवार को फैसला सुनाया। जूरी ने उसके बलात्कार के दावे को स्वीकार नहीं किया, लेकिन यौन शोषण और मानहानि के लिए ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया। गौरतलब है कि ई. जीन कैरोल (79) ने अगले साल रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की दौड़ में सबसे आगे चल रहे ट्रम्प के खिलाफ मुकदमा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि दशकों पहले ट्रंप ने उनके साथ बलात्कार किया था, लेकिन उन्हें ठीक-ठीक याद नहीं है कि यह कब हुआ था। अब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि वह इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। फैसला आने पर महिलाओं के साथ उसके व्यवहार की निंदा करते हुए

अदालत के बाहर प्रदर्शनकारियों की एक बड़ी भीड़ जमा थी। कैरोल ने कहा कि यह मामला 1996 के आसपास का है।

इसके अलावा ट्रम्प न्यूयॉर्क में एक स्थानीय अभियोजक द्वारा लाए गए एक आपराधिक मामले का सामना कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ संबंधों का दावा करने वाली एक महिला को किए गए भुगतान को छिपाने के लिए कारोबारी के रिकॉर्ड में हेरफेर करने का आरोप लगाया गया था। अगर उस मामले में दोषी ठहराया जाता है, तो उन्हें जेल की सजा सुनाई जा सकती है, हालांकि अमेरिकी संविधान के तहत चुनाव लड़ने से उन्हें नहीं रोका जा सकेगा। कई महिलाओं ने उन पर बलात्कार और यौन शोषण का आरोप लगाया है, लेकिन तीन बार शादी करने वाले ट्रम्प, जो कभी प्लेबॉय की छवि में थे, को आपराधिक आरोपों का सामना नहीं करना पड़ा है।

चीनी दूतावास के अधिकारी को कनाडा ने देश छोड़ने को आदेश

-चीन ने कनाडाई राजनयिक को निष्कासित किया

ओटावा (एजेंसी)। कनाडाई सांसद और उनके परिवार को कथित रूप से धमकाने के मामले में चीनी दूतावास के एक अधिकारी को देश छोड़ने के आदेश के जवाब में चीन ने एक कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह कनाडा के "विवेकहीन कदम का कड़ा विरोध कर उसके जवाब में चीन समान कार्रवाई कर रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि शंघाई में पदस्थ कनाडाई राजनयिक लिन लालोंदे को 13 मई तक देश छोड़ने को कह दिया है। इतना ही नहीं चीन जवाब में आगे और कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है"।

बीजिंग में कनाडा के दूतावास की आदेश पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। इसके पहले कनाडा ने कहा था कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार एक चीनी राजनयिक को निष्कासित कर रही है, जिन पर कनाडा की जासूसी एजेंसी ने एक विपक्षी सांसद और हांगकांग में उनके परिवार के सदस्यों को धमकाने की साजिश में शामिल रहने का आरोप लगाया है। चीन ने 1997 में पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश को अपने अधिकार में ले लिया था, और हाल के वर्षों में उसके लोकतांत्रिक संस्थानों और स्वतंत्र प्रेस को खत्म करके 50 वर्षों तक अद्वितीय राजनीतिक और नागरिक अधिकारों को बनाए रखने के एक समझौते को ढंग से तोड़ दिया गया है। चीन नियमित रूप से चीनी मूल के लोगों की, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समूहों की आलोचनाओं का मुंह बंद करने के मकसद से उनके परिवार के सदस्यों को धमकाता है। कनाडाई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि टोरंटो में पदस्थ राजनयिक झाओ वी के पास देश छोड़ने के लिए पांच दिन हैं।

अमेरिका का चीन के साथ बहुत ही जटिल संबंध, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन बोले- दोनों देशों के बीच जुड़ाव महत्वपूर्ण

काहिरा (एजेंसी)। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका का चीन के साथ बहुत ही जटिल और परिणामी संबंध है, दोनों देशों के बीच जुड़ाव महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि यह अमेरिका और चीन के हित में है कि वे संचार की अपनी लाइनें स्थापित करें और मजबूत करें- कुछ ऐसा जो बाकी दुनिया हमसे करने की उम्मीद करती है। ब्लिंकन ने संवाददाताओं से कहा कि हमने बीजिंग में सरकार में अपने सहयोगियों को जो बताया है, वह हमारे दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारे बीच एक गहरा जटिल और परिणामी संबंध भी है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन में लोगों के लिए महत्वपूर्ण है।

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका का चीन के साथ बहुत ही जटिल और परिणामी संबंध

है, दोनों देशों के बीच जुड़ाव महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि यह अमेरिका और चीन के हित में है कि वे संचार की अपनी लाइनें स्थापित करें और मजबूत करें- कुछ ऐसा जो बाकी दुनिया हमसे करने की उम्मीद करती है। ब्लिंकन ने संवाददाताओं से कहा कि हमने बीजिंग में सरकार में अपने सहयोगियों को जो बताया है, वह हमारे दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारे बीच एक गहरा जटिल और परिणामी संबंध भी है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन में लोगों के लिए महत्वपूर्ण है।

मेरा मानना है कि कुछ जिम्मेदारी न केवल उन मतभेदों को प्रबंधित करने की है, ताकि हमारे बीच जो प्रतिस्पर्धा है वह संघर्ष में न बदल जाए, बल्कि वह क्षमता भी जहां यह हमारे पारस्परिक हित में है। ब्लिंकेन ने कहा कि दुनिया को सहयोग के क्षेत्रों को भी खोजना है, यह जुड़ाव वह तरीका है जिससे हम उन दोनों जिम्मेदारियों को निभाने की कोशिश करते हैं।

भारत, ब्राजील के बाद सिंगापुर में व्हाट्सएप की ये सेवा शुरु

सैन फ्रांसिस्को। भारत और ब्राजील में चैट के भीतर व्यवसायों को भुगतान करने की क्षमता शुरू करने के बाद, व्हाट्सएप अब सिंगापुर में उपयोगकर्ताओं के लिए सेवा शुरू कर रहा है। मेटा में कॉमर्स एंड फाइनेंशियल तकनीक के प्रमुख स्टीफन कास्रियल ने इसकी घोषणा करते हुए कहा, व्हाट्सएप सिंगापुर के उपयोगकर्ता अब सामान और सेवाओं के लिए स्थानीय व्यवसायों को व्हाट्सएप चैट के भीतर सहज और सुरक्षित रूप से भुगतान कर सकते हैं। मेटा ने आयरिश-अमेरिकी वित्तीय सेवाओं और सास कंपनी स्ट्राइप के साथ इस क्षेत्र में सुविधा शुरू करने के लिए साझेदारी की है। व्हाट्सएप ने इस पेमेंट फीचर को स्ट्राइप कनेक्ट और स्ट्राइप चेकआउट समाधान के साथ बनाया है, जिससे इन-एप भुगतान ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से किए जा सकते हैं।

इमरान की गिरफ्तारी से पाक मे हालात बेहद खराब, परमाणु बमों पर मंडराया खतरा, टेंशन में दुनिया

-जनता आर्मी हेडक्वाट्र्स को भी बना रही निशाना

-परमाणु हथियार आतंकियों के हाथ लगने का खतरा!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी से कराची से लेकर लाहौर और रावलपिंडी तक हालात बेहद खराब हैं। पहले से ही आर्थिक संकट में घिरा मुल्क एक बड़ी मुसीबत में आ गया है।कई लोग यह सवाल करने लगे हैं कि इन हालातों में पाकिस्तान के पास जो परमाणु बम हैं, उनका क्या होगा। देश के पास इस समय कुल 165 परमाणु हथियार हैं। पहले से ही दुनिया को इस बात का डर था कि अगर ये हथियार आतंकियों के हाथ लग गए तो फिर क्या होगा। अब जबकि जनता आर्मी हेडक्वाट्र्स तक को निशाना बना रही है तो फिर यह डर भी दोगुना हो गया है।

इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की तरफ से समर्थकों से अपील की गई है कि पूरे देश में विरोध प्रदर्शनों को तेज कर दिया जाए। इस्लामाबाद हाई कोर्ट से गिरफ्तार होने के बाद से ही पूरे पाकिस्तान में हिंसा तेज हो गई है। पाकिस्तान हमेशा से ही आतंकियों का गढ़ रहा है और वर्तमान स्थिति में हालात बेहद नाजुक हो गए हैं। साल 1998 में पाकिस्तान ने पहला परमाणु बम बनाया था। ये परमाणु बम उस समय बनाया गया था, जब भारत ने पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण किया। वर्तमान स्थिति भारत समेत पूरी दुनिया के लिए बहुत ही गंभीर है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक परमाणु बम किसी हैंडग्रेनेड की तरह नहीं होते हैं, बल्कि ये किसी देश में महातबाही ला सकते हैं।

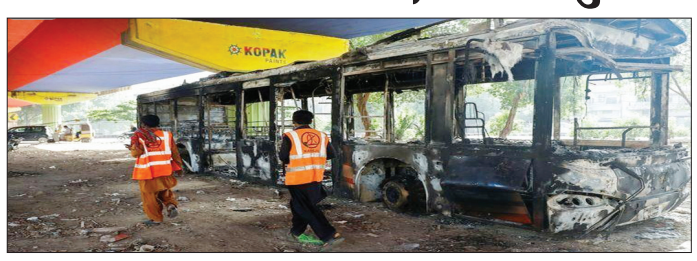

हालांकि, एक ट्वीट कर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम के बारे में गलत बातें फैलाई जा रही हैं और यह काफी

दुर्भाग्यपूर्ण है। पाकिस्तान सेना जिसके बारे में अक्सर कहा जाता है कि उसकी आतंकियों के साथ साठगांठ है, जब उसके ही हेडक्वाट्र्स पर हमले हो रहे हैं तो फिर स्थिति और भी जटिल हो जाती है। कई भारतीय रणनीतिकार हमेशा से ही मानते आए हैं कि पाकिस्तान परमाणु आतंकवाद को बढ़ावा दे सकता है। ऐसे समय में जब देश कंगाली की कगार पर है और हर तरफ हिंसा का आलम है, दुनिया पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के बारे में सोचकर ही घबरा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सपा के पूर्व विधायक की गुड़ाई, भाजपा प्रत्याशी के पति को पीटा

अमेठी । अमेठी की गौरीगंज कोतवाली में मतदान से एक दिन पूर्व सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर भाजपा प्रत्याशी के पति को जमकर पीटा। इस दौरान खूब गालीगलौज हुई और पुलिस खड़े होकर तमाशा देखती रही। मतदान दिवस के एक दिन पहले ही गौरीगंज नगर पालिका में माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया है। पुलिस पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों द्वारा की जा रही अवैध हरकतों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे गौरीगंज विधायक सिंह दूसरे दिन काफी उग्र हो गए। विधायक और उनके समर्थकों ने पुलिस पर भाजपा समर्थकों को बचाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को कटघरे में लेना शुरू कर दिया। कोतवाली के बाहर कई थानों का पुलिस बल बुलाया गया था। इसी बीच विधायक ने अपनी पिस्टल निकालकर कर लाने की धमकी भी दी। तभी भाजपा प्रत्याशी रश्मि सिंह के पति दीपक सिंह कोतवाली के बाहर जाते हुए दिखे। घिरने से बचने के लिए दीपक सिंह ने अपनी गाड़ी कोतवाली के अंदर घुसा दी। जहां पर सपा विधायक व उनके समर्थकों ने कोतवाली के भीतर ही भाजपा प्रत्याशी के पति को जमकर पीटा। हाथापाई में विधायक के भतीजे अरुणेंद्र सिंह को भी चोट लगी है। पुलिस ने किसी तरह से भाजपा प्रत्याशी के पति को खींचकर बाहर निकाला और उनकी जान बचाई। इसके बाद भाजपा के भी कुछ समर्थक कोतवाली के भीतर आ गए। स्थिति बिगड़ते देख कप्तान डॉ. इलामारन कई थानों की पुलिस के साथ गौरीगंज कोतवाली पहुंचे।

छात्रावास का दौरा करने पर डीयू भेजेगा राहुल गांधी को नोटिस

नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एक नोटिस जारी कर भविष्य में परिसर के किसी भी अनधिकृत दौरे के प्रति आगाह करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राहुल गांधी ने विश्वविद्यालय के एक छात्रावास में बीते शुक्रवार को छात्रों से मुलाकात की थी, जिसके बाद डीयू प्रशासन हरकत में आया है। विवि के कुलसचिव विकास गुप्ता ने कहा कि नोटिस जल्द ही भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कांग्रेस नेता से कहेगा कि इस तरह का दौरा छात्रों की सुरक्षा को खतरे में डाल देगा और ऐसी किसी मुलाकात के लिए उपयुक्त प्रोटोकॉल का पालन किये जाने की जरूरत है। गौरतलब है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने शुक्रवार को विवि के पोस्ट ग्रेजुएट मेन्स हॉस्टल का दौरा किया था। जिस दौरान उन्होंने कुछ छात्रों से बातचीत की थी और उनके साथ भोजन किया था कुलसचिव ने कहा, यह एक अनधिकृत दौरा था। जब उन्होंने वहां प्रवेश किया उस वक्त कई छात्र दोपहर का भोजन कर रहे थे। हम अपने परिसर में इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम राहुल गांधी को एक नोटिस भेजकर उनसे कहेंगे कि उन्हें दोबारा इस तरह की कार्रवाई नहीं करनी चाहिए और छात्रों की सुरक्षा को खतरे में नहीं डालना चाहिए। इस बीच, कांग्रेस की छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दबाव में है। हालांकि, कुलसचिव ने आरोपों से इनकार किया और कहा कि ऐसा कोई दबाव नहीं है। यह अनुशासन का मुद्दा है। राहुल के दौरे के एक दिन बाद, विश्वविद्यालय ने एक कड़ा बयान जारी कर कहा था कि अचानक और अनधिकृत प्रवेश ने छात्रावास में रह रहे छात्रों, और उनके (कांग्रेस नेता के) लिए भी सुरक्षा की गंभीर चिंता पैदा की है। बयान में कहा गया था कि विश्वविद्यालय प्रशासन इस तरह के अनधिकृत प्रवेश की घटनाओं की पुनरावृत्ति टालने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई आई 19 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न

मुंबई। मुंबई को मायानगरी कहा जाता है। इस शहर में अपनी किस्मत आजमाने के लिए गांवों से कई युवक और युवतियां मुंबई आते हैं। शाहरुख, सलमान और आलिया जैसे सेलिब्रिटी बनने के अपने सपनों को साकार करने के लिए गांव के कई लड़के और लड़कियां मुंबई आते हैं। लेकिन मुंबई में, नवोदित कलाकारों, विशेषकर महिला कलाकारों को अक्सर उत्पीड़न और बलात्कार का सामना करना पड़ता है। अब तक कई नवोदित महिला कलाकारों को काम मिलने की बात कहकर धोखा दिया गया है। लड़कियों को यह कहकर ठगा जाता है कि शारीरिक संबंध बनाए तो तुरंत काम दे देंगे। बॉलीवुड के कई मशहूर अभिनेता भी इस समस्या का सामना कर रहे हैं। इस बीच अपनी किस्मत आजमाने मुंबई आई एक लड़की के मामले में हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. दरअसल फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई आई 19 साल की एक लड़की का यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। इस मामले में मुंबई की मरीन ड्राइव पुलिस ने युवती की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए दुष्कर्म, मारपीट और डराने-धमकाने का मामला दर्ज कर एक 38 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा की 19 साल की एक लड़की फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई आई थी। इसी दौरान नरीमन प्वाइंट के एक नामी होटल में उसका यौन शोषण किया गया। इतना ही नहीं आरोपी ने युवती के साथ मारपीट की और चाकू से उसके मुंह, पेट और जांघ पर वार कर घायल कर दिया। अब पुलिस ने युवती की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए दुष्कर्म, मारपीट और डराने-धमकाने का मामला दर्ज कर 38 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक युवती और आरोपी दोनों ही हरियाणा के रहने वाले हैं, जो फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई आए थे। आरोपी का युवती से प्रेम संबंध था। इसलिए वह भी उनके साथ फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई आ गया। इसी बीच रविवार की रात आरोपी ने नरीमन प्वाइंट स्थित एक होटल में उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की। आरोपी ने लड़की के मुंह, पेट और जांघ पर चाकू से वार किया. उसने चाकू से उसके प्राइवेट पार्ट को भी जख्मी कर दिया। लड़की डर गई और उसने मरीन ड्राइव पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अब पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

एनआईए ने जम्मू कश्मीर में बड़ी कार्रवाई की, आतंकी गतिविधियों के लिए तीन लोगों की संपत्तियां कुर्क कीं

श्रीनगर। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कश्मीर घाटी में आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों में कथित संलिप्तता को लेकर बुधवार को तीन लोगों की संपत्ति कुर्क की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर संदिग्धों और आरोपियों की संपत्तियों पर छापे मारकर आतंकवादी संगठनों, उनके सहयोगियों, एजेंट और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के खिलाफ निगरानी बढ़ा दी है। एनआईए ने हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) जैसे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के सदस्यों या कैडरों से जुड़ी आतंकवादी गतिविधियों के दो अलग-अलग मामलों में तीन आरोपियों की अचल संपत्तियां कुर्क की। एनआईए ने कहा कि पहले मामले में शोपियां जिले के हरमन में दो आरोपियों दौलत अली मुगल और इस्हाक पाला की अचल संपत्तियों को यूए(पी)ए अधिनियम के तहत कुर्क किया गया है। पाला फिलहाल आगरा के केंद्रीय कारागार में बंद है। वह हिजबुल मुजाहिदीन/अल-बद्र संगठन का आतंकवादी था। जबकि अभियुक्त मुगल हिजबुल मुजाहिदीन का एक ओवरग्राउंड वर्कर था और फिलहाल जमानत पर जेल से बाहर है। दूसरे मामले में, एजेंसी ने जैश-ए-मोहम्मद के ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) आरोपी फयाज अहमद मागरे की अचल संपत्ति कुर्क की, जो फिलहाल हरियाणा की झज्जर जिला जेल में बंद है।

केरल नौका हादसे की जांच के लिए तीन सदस्य न्यायिक आयोग गठित

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने मलप्पुरम जिले में नौका हादसे की जांच के लिए बुधवार को तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया। तीन दिन पहले हुई इस दुर्घटना में 22 लोगों की मौत हो गई थी। आयोग की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी के मोहनन करेंगे जबकि इसमें तकनीकी विशेषज्ञ के तौर पर नीलकंदन उन्नी (सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण) और सुरेश कुमार (मुख्य अभियंता, केरल अंतर्देशीय जलमार्ग एवं अवसंरचना लिमिटिड) सदस्य होंगे। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अध्यक्षता में आज हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में में आयोग गठित करने के बाबत फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री सोमवार को मलप्पुरम के अस्पतालों में पीड़ितों को देखने पहुंचे थे। उन्होंने बाद मामले की न्यायिक जांच कराने और हादसे में जान गंवाने लोगों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी। साथ ही घायलों के इलाज और बचाव कार्य के लिए 25 लाख रुपये की राशि भी स्वीकृत की गई है।

साक्षी मलिक की चुनौती, नार्को टेस्ट करके खुद की बेगुनाही साबित करे बृजभूषण शरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने बुधवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को नार्को टेस्ट करके खुद की बेगुनाही साबित करने की चुनौती दी। साक्षी की तरफ से यह बयान उस समय में आया है, जबकि दिल्ली की अदालत ने डब्ल्यूएफआई चीफ और भाजपा सांसद बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों में दर्ज प्राथमिकियों पर दिल्ली पुलिस से स्थिति रिपोर्ट मांगी है।

दरअसल, अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने प्रदर्शनकारी पहलवानों की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। याचिका में मांग की गई है कि जांच की निगरानी की जाए और कथित पीड़ितों के बयान अदालत के समक्ष दर्ज कराए जाएं। इसमें दावा किया गया है कि 28 अप्रैल को प्राथमिकियों के दर्ज होने के बाद से पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

अदालत ने दिल्ली पुलिस को 12 मई तक रिपोर्ट दाखिल करने को कहा, जब वह मामले में आगे सुनवाई करेगी। याचिका में दावा किया गया, पुलिस कोई जांच करने को तैयार नहीं है। पुलिस ने अदालत के समक्ष पीड़ितों के बयान तक दर्ज नहीं किए हैं। बृजभूषण के खिलाफ दोनों प्राथमिकियों की प्रतियां भी सीलबंद लिफाफे में अदालत में पेश की गई। एक प्राथमिकी एक नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले में 'यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण' (पॉक्सो) कानून के तहत दर्ज की गई है, वहीं दूसरी अन्य शिकायतकर्ताओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों में दर्ज की गई है।

महिला पहलवानों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जिसके बाद 28 अप्रैल को मामले में दो प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। याचिकाकर्ताओं के वकील ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मद्देनजर प्राथमिकी दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पीड़ितों के बयान अदालत में दर्ज होने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि प्राथमिकियों के दर्ज होने के तीन दिन बाद बयान दर्ज किए गए।

वकील ने दावा किया कि आरोप है, कि खेल मंत्रालय में एक अधिकारी ने एक पीड़ित पहलवान के पति को बुलाया था और मामले को निपटाने के लिए कहा था। वकील का आरोप है कि एक राज्य कुश्ती संघ के अधिकारी ने एक पीड़िता के कोच और परिवार से संपर्क साधकर मामले के निस्तारण का प्रयास किया था।

जनरल वीके सिंह ने मनाया अपना 72वां जन्मदिन

नई दिल्ली । पुराने समय से ही भारत देश की भूमि वीर पुरुषों की जन्मभूमि रही है। देश में कई ऐसे वीर सपूत रहे हैं, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना मातृभूमि की रक्षा की है। ऐसे ही भारतीय सेना के एक रिटायर्ड अधिकारी जनरल विजय कुमार सिंह हैं। आज के दिन यानी की 10 मई को जनरल विजय कुमार सिंह का जन्म हुआ था। विजय कुमार सिंह के पिता और दादा भी इंडियन आर्मी में कर्नल थे।

हरियाणा के भिवानी जिले के बापोरा गांव में 10 मई 1951 में विजय कुमार सिंह का जन्म हुआ था। विजय कुमार अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी के सेना के अधिकारी थे। उनकी शुरुआती शिक्षा राजस्थान के बिड़ला पब्लिक स्कूल में हुई। इसके बाद विजय कुमार सिंह ने डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज से आनर्स ग्रेजुएट, द यूनाइटेड स्टेट्स आर्मी इंफेंट्री स्कूल, फोर्ट बेनिंग से किया। उल्लेखनीय है कि यह उनका रेंजर्स स्नातक कोर्स था।

वीके सिंह वर्तमान में केंद्रीय मंत्री परिषद और भारत के सड़क और परिवहन मंत्री हैं।

विजय कुमार सिंह ने कार्लीस्ल, पेंसिलवैनिया के आर्मी वार कॉलेज से भी पढ़ाई की। इस दौरान वह रैंजर्स कोर्स के कॉम्बैट ऑपरेशन्स में प्रथम आए थे। साल 1970 में राजपूत रेजीमेंट (काली चिंदी) की दूसरी बटालियन में कमीशन दिया गया था। जब इस कमांड को पाकिस्तान के साथ लगाया गया तो विजय कुमार सिंह ने इसी यूनिट को अपनी कमांड में रखा था। विजय कुमार सिंह को काउंटर इंसरजेंसी ऑपरेशन्स और हाई एल्टीट्यूड ऑपरेशन्स का काफी अनुभव था। बांग्लादेश युद्ध के दौरान विजय कुमार सिंह ने कार्रवाई में भाग लिया था।

कोई शराब घोटाला नहीं हुआ, केंद्र को आप से लगता है डर: मालविंदर सिंह कंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने भाजपानीत केंद्र पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह पार्टी और उसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की ईमानदार राजनीति के रास्ते में बाधाएं पैदा कर रही है। आप पंजाब के मुख्य प्रवक्ता मालविंदर सिंह कंग ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल उनकी पार्टी या पंजाब के बारे में नहीं है। अपने तानाशाही रवैये और सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर भाजपा हमारे लोकतंत्र को धमकी दे रही है। वे केवल अरविंद केजरीवाल और आप को रोकना चाहते हैं, क्योंकि वे एकमात्र चुनौती देने वाले हैं जो अगले साल के आम चुनावों में नरेंद्र मोदी और भाजपा को चुनौती देंगे। बीजेपी अरविंद केजरीवाल से डर गई है।

कंग के साथ पार्टी नेता नील गर्ग, बिक्रमजीत पासी और गगनदीप सिंह भी थे। कंग ने कहा कि सीबीआई और ईडी ने अदालत में स्वीकार किया कि उन्हें गोवा में केवल 19 लाख रुपये के बिल मिले। इससे साबित होता है कि भाजपा, उसके प्रवक्ताओं और उनके मीडिया द्वारा चलाए गए 100 करोड़ रुपये के शराब घोटाले के बारे में पूरा प्रचार हमारे नेताओं और पार्टी को बदनाम करने के उद्देश्य से किया गया था। यह एक गुप्त स्वीकारोक्ति है कि सबसे ईमानदार, जिम्मेदार और लोकप्रिय राजनीति केजरीवाल की राजनीति है।

आप नेता कंग ने कहा कि सीबीआई और ईडी के जरिए मोदी सरकार एक साल से आप सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही है, लेकिन वास्तव में कोई शराब घोटाला नहीं है, इसलिए ये एजेंसियां कोई सबूत या गवाह खोजने में नाकाम रहीं। सबसे पहले उन्होंने राजेश जोशी और गौतम मल्होत्रा को गिरफ्तार किया। फिर उन्होंने पांच और लोगों को गिरफ्तार किया और उन्हें झूठ बोलने के लिए प्रताड़ित किया और मारपीट की। उन्होंने गोवा में 20 से अधिक विक्रेताओं से पूछताछ की और अभी भी कुछ नहीं मिला, क्योंकि कोई घोटाला नहीं है।

द केरल स्टोरी का ममता ने किया बैन, सुप्रीम कोर्ट 12 मई को सुनवाई करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर विवाद थम नहीं रहा है। पश्चिम बंगाल में फिल्म पर पाबंदी के खिलाफ निर्माताओं ने राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मामले में सुप्रीम कोर्ट 12 मई को सुनवाई करेगा। बंगाल में द केरल स्टोरी पर बैन लगाने पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक ने कहा कि फिल्म को बंगाल में भी हर सिनेमाघर में दिखाना चाहिए। ममता बनर्जी को हर बात में राजनीति दिखाई देती है। द कश्मीर फाइल्स भी सत्य पर आधारित थी और द केरल स्टोरी भी सत्य घटना पर आधारित है।

फिल्म निर्माताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने तत्काल लिस्टिंग के लिए याचिका का उल्लेख किया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ 12 मई को इस पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गई। साल्वे ने कहा, हम हर दिन पैसे गंवा रहे हैं और अब एक और राज्य है जो फिल्म को बैन कर रहा है। बता दें कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घृणा और हिंसा की किसी भी घटना से बचने और राज्य में शांति बनाए रखने के लिए राज्य में फिल्म के प्रदर्शन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। निर्माताओं ने तर्क दिया कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा सार्वजनिक रूप से देखने के लिए प्रमाणित फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की राज्य सरकार के पास कोई अधिकार नहीं है।

पॉक्सो एक्ट के मामलों में जमानत पर फैसला करते समय जज बरतें सावधानी: दिल्ली हाईकोर्ट

-जज शर्मा की अदालत ने 19 साल के लड़के की जमानत याचिका पर सुनवाई की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि पॉक्सो एक्ट के मामलों में जमानत पर फैसला करते समय जजों को सावधानी बरतने की जरूरत है, क्योंकि किशोरावस्था के प्यार को अदालतों की बंदिश में नहीं रखा जा सकता। न्यायामूर्ति स्वर्णा कांता शर्मा की यह टिप्पणी उच्च न्यायालय के ही न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यौन अपराधों से बच्चों की रक्षा (पॉक्सो) अधिनियम के तहत किशोरावास्था के प्यार को अपराध की श्रेणी में रखने के प्रावधान के बारे में कुछ उपाय करने की जरूरत है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि फिल्मों और उपन्यासों की रोमांटिक संस्कृति की नकल करने की कोशिश करने वाले किशोर कानून और सहमति की उम्र के बारे में नहीं जानते। उन्होंने कहा कि यह अदालत यह भी कहती है कि कम के प्यार के रिश्ते, खासकर किशोरावस्था के प्यार के प्रति रुख वास्तविक जीवन की परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में होना चाहिए ताकि उस परिस्थिति में उनके द्वारा उठाए गए कदमों को समझ सकें। न्यायमूर्ति शर्मा की अदालत ने यह टिप्पणी 19 साल के एक लड़के की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें लड़की के परिवार वालों ने भारतीय दंड संहिता की धारा 363 और 376 तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। हालांकि न्यायमूर्ति सिंह ने दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित एक सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए यह बात कही थी। सेमिनार का विषय पॉक्सो के पीड़ितों का पुनर्वास- रणनीति, चुनौतियां और भविष्य की राह था। न्यायमूर्ति शर्मा ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस तरह के मामलों में आरोपी को जेल भेजने से वह अवसाद का शिकार होगा और उसके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा क्योंकि किशोरावस्था के प्यार के मामलों में किशोर लड़के-लड़कियां जेल या सुधार गृहों में सड़ रहे हैं। इस मामले में जांच के दौरान पाया गया कि लड़की सात महीने की गर्भवती थी और उसका गर्भपात कराया गया था। डीएनए रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी लड़का ही उसका जैविक पिता था। लड़की ने अदालत को बताया कि जब वह गर्भवती हुई उस समय वह 18 साल की हो चुकी थी, हालांकि उसके अकेडमिक दस्तावेजों से इसकी पुष्टि नहीं हुई। लड़के को राहत देते हुए अदालत ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 161 और 164 के बयानों में और अदालत के समक्ष लड़की ने बार-बार कहा है कि वह अपनी मर्जी से लड़के के साथ गई थी, क्योंकि वह उसे पसंद करने लगी थी।

पाक में दंगे के बाद भारतीय सेना ने सीमा पर कसी कमर

-कश्मीर में जी-20 बैठक से ठीक पहले पाक में बिगड़े हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पूरे देश में बड़े पैमाने पर आगजनी और दंगे हो रहे हैं। देश भर में उनके समर्थक पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख के समर्थन में सड़कों पर उमड़ पड़े। अब तक छह मौतों की सूचना मिली है, जिनमें से 1 क्वेटा से, 1 फैसलाबाद में, 1 चकदरा स्वात में और 1 लाहौर में हुई है और दर्जनों घायल हुए हैं। पूरे पाकिस्तान में अभूतपूर्व घटनाएं देखने को मिल रही है। प्रदर्शनकारियों ने परिसर के मुख्य द्वार को तोड़कर रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय में प्रवेश किया। भीड़ ने पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल के घर पर भी हमला बोल दिया। इमरान समर्थकों ने कोर कमांडर का घर जला दिया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के लाहौर स्थिति सचिवालय को प्रदर्शनकारियों ने फूंक दिया है। लाहौर के गवर्नर हाउस को भी आग के हवाले किया जा चुका है। कुल मिलाकर कहें तो पाकिस्तान में सेना और इमरान समर्थकों के बीच जंग छिड़ी हुई है।

उल्लेखनीय है कि ये सब कुछ उसी देश में हो रहा है जो भारत को कश्मीर से आजाद कराना चाहता है। पाकिस्तान में सेना पहली बार अपने ही लोगों से पिट रही है। इस घटना के बाद भारत ने भी बड़ा फैसला लिया है। भारतीय सेना ने पूरी सीमा को घेर लिया है। एलओसी पर सेना की जबरदस्त तैनाती कर दी गई है। भारत को डर है कि पाकिस्तान में बिगड़ते हालातों का फायदा उठाकर पीओके में बैठे आतंकी भारत में घुसपैठ कर सकते हैं। कश्मीर में जी-20 बैठक से ठीक पहले पाकिस्तान में दंगे शुरू हो गए हैं। भारत को डर है कि अपने ही देश में पिट रही पाकिस्तानी सेना लोगों का ध्यान भटकाने के लिए भारत को निशाना बना सकती है। पाकिस्तान की सेना ये भलीभांति जानती है कि अपने ही देश के लोगों के गुस्से को शांत करने का सबसे अच्छा तरीका है कि भारत के खिलाफ कोई कदम उठा लिया जाए, लेकिन भारत पहले ही पाकिस्तानी सेना की किसी भी साजिश को नाकाम करने की तैयारी कर चुका है। भारत ने कड़ी सावधानी बरतनी शुरू कर दी है। भारतीय सेना की नजर स्लीपर सेल्स पर भी है। भारत नहीं चाहता है कि खुद की लगाई आग की लपटें जम्मू-कश्मीर तक पहुंचे। इसलिए भारतीय सेना ने कमर कस ली है।

महाराष्ट्र राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट कल सुनाएगा फैसला

-आदित्य ठाकरे बोले- हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट कल फैसला सुना सकता है। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि पीठ कल दो फैसले सुनाएगी। मार्च में, सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ ने 2022 के महाराष्ट्र राजनीतिक संकट के संबंध में दायर याचिकाओं के एक बैच पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। संकट एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट का शिवसेना से अलग होकर शुरू हुआ। इस कारण उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई और शिवसेना का विभाजन हो गया। बाद में एकनाथ शिंदे गुट ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बना ली। एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बन गए।

उद्धव ठाकरे गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। संविधान का पालन करने से ही देश को फायदा होगा। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर ने एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से पहले बुधवार को कहा कि मौजूदा राज्य सरकार के पास बहुमत है, चाहे कोई भी फैसला आए। उन्होंने कहा कि मेरे स्पीकर बनने के बाद, यह सरकार बहुमत परीक्षण में सफल रही। संख्या बल के हिसाब से देखें तो इस सरकार के पास बहुमत है, चाहे कोई भी फैसला आए। नारवेकर ने मंगलवार को कहा था कि विधायकों की अयोग्यता के संबंध में निर्णय विधानसभा अध्यक्ष का विशेषाधिकार है। नारवेकर मुंबई से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर विधायक चुने गए थे। उन्होंने जुलाई 2022 में पहली बार विधानसभा अध्यक्ष के रूप में शपथ ली थी। पिछले साल जून में शिंदे और 39 विधायकों ने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी थी। इसके परिणामस्वरूप पार्टी टूट गई थी और ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार (जिसमें राकांपा और कांग्रेस भी शामिल हैं) गिर गई थी।

मरीजों के इलाज में नहीं होगी देरी, देश में पहली बार ड्रोन से ब्लड की हुई डिलिवरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ड्रोन की उपयोगिता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। इन सब के बीच एक और अच्छी खबर है। दरअसल, भारत में अब ड्रोन के जरिये ब्लड की डिलिवरी संभव हो सकेगी। इसको लेकर एक ट्रायल हुआ। ट्रायल के बाद इसपर मुहर भी लगी है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, देश में पहली बार, ड्रोन ने बुधवार को दिल्ली में रक्त की थैलियां पहुंचाईं। एएनआई ने ऐतिहासिक डिलीवरी के दृश्यों को साझा करते हुए लिखा, ÷भारत में पहली बार, परिवहन के पारंपरिक तरीके की तुलना में ड्रोन द्वारा वितरित रक्त बैग का ट्रांस्पोटेशन किया गया। इसे 'i-DRONE' नाम दिया गया है। इसका उपयोग पहली बार भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा दूरदराज के क्षेत्रों में कोरोना महामारी के दौरान टीकों के वितरण के लिए किया गया था।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने बताया कि इस 'i-DRONEÒ' का उपयोग पहली बार ICMR द्वारा COVID19 महामारी के दौरान अगम्य क्षेत्रों में टीके वितरित करने के लिए किया गया था। आज हम रक्त और रक्त से संबंधित उत्पादों का परिवहन कर रहे हैं, जिन्हें कम तापमान पर रखा जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रयोग के बाद, हमने पाया कि न केवल हम तापमान को बनाए रख सकते हैं, बल्कि परिवहन किए गए उत्पादों को भी कोई नुकसान नहीं हुआ। हमने एंबुलेंस के माध्यम से एक और नमूना भेजा और अगर दो तरीकों का उपयोग करके भेजे गए नमूनों में कोई अंतर नहीं है, तो इस ड्रोन का उपयोग पूरे भारत में किया जाएगा।

रक्त घटकों को उपयुक्त तापमान स्थितियों, सुरक्षा और स्वच्छता के तहत ले जाने की आवश्यकता होती है। सुरक्षित प्रसव के लिए थर्मल इन्सुलेशन आवेषण के साथ मान्य रक्त परिवहन बक्से का उपयोग किया जाता है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है कि भारत में चिकित्सा उद्देश्यों के लिए ड्रोन तैनात किए गए हैं। 2022 में, दिल्ली स्थित एक

डायग्नोस्टिक्स कंपनी ने ड्रोन का उपयोग करके अस्पतालों से रक्त के नमूने एकत्र करने और टर्नअराउंड समय में कटौती करने और तेजी से परीक्षण के परिणाम प्रदान करने के लिए एक प्रयोगशाला में वितरित करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

दिल्ली कैंट इलाके में आर्मी के बेस अस्पताल में लगी आग

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के दिल्ली कैंट इलाके स्थित आर्मी के बेस अस्पताल में तड़के आग लग गई। आग हॉस्पिटल के आईसीयू, ऑपरेशन थियेटर और स्टोर रूम में लगी थी। दमकल विभाग को 3ः50 बजे के आसपास आग लगने की सूचना मिली। जिसके बाद मौके पर अलग-अलग दमकल स्टेशन से आग बुझाने वाली पहले 5 गाड़ियां भेजी गई थी, लेकिन आग भीषण होने के कारण और भी गाड़ियां मौके पर रवाना की गई है। दमकलकर्मियों ने लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने फायरकर्मियों की सूझबूझ की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि आग लगने के स्थल के साथ ही ऑक्सीजन सीलेंडर का स्टोरेज था और मेडिकल में इस्तेमाल दूसरे गैस का भी स्टोर था।

अनिल दुजाना गैंग के सक्रिय सदस्य चंद्रपाल प्रधान की प्रॉपर्टी हुई कुर्क, फार्म हाउस सील

ग्रेटर नोएडा। अनिल दुजाना के एनकाउंटर के बाद अब उसकी संपत्तियों को कुर्क करने की कार्रवाई तेज हो गई है। पुलिस उसके साथियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर उनकी संपत्तियों को सील करने के बाद कुर्क करने की कार्रवाई कर रही है।इसी कड़ी में अनिल दुजाना के खास आदमी चंद्रपाल प्रधान की संपत्ति आज कुर्क की गई, जिसकी कीमत तकरीबन 1.60 करोड़ है। विशेष न्यायालय पुलिस आयुक्त (अपराध जनित संपति अधिग्रहण) के आदेशानुसार थाना बिसरख पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट, थाना बादलपुर से संबंधित अभियुक्त चंद्रपाल प्रधान पुत्र यादराम निवासी बम्बावड थाना बादलपुर गौतमबुद्धनगर जोकि अनिल दुजाना गैंग (गैंग आईडी आईएस-29/2021) का सक्रिय सदस्य है, के नाम पर पंजीकृत प्रधान फार्म हाउस भूमि 1.2820 है, खसरा नं. 518 ग्राम बम्वावड (कीमत करीब 1 करोड़ 57 लाख रुपये) को कुर्क किया गया। इसी के क्रम में अनिल दुजाना गैंग (गैंग आईडी आईएस-29/2021) के अन्य सदस्यों की 2 करोड़ 30 लाख रुपये की, अब तक कुल करीब 3 करोड़ 87 लाख रुपये की संपत्ति को कुर्क किया जा चुका है।

सीईओ रितु माहेश्वरी ने ग्रेटर नोएडा शहर का किया भ्रमण, कमियां मिलने पर इन 6 कंपनियों पर लगाया 30 लाख रुपए का जुर्माना

नोएडा। सीईओ रितु माहेश्वरी ग्रेटर नोएडा शहर के भ्रमण के दौरान एक्शन मोड़ में नजर आई। सीईओ के निर्देश पर ओएसडी और जीएम प्रॉजेक्ट का कार्यभार संभाल रहे विशु राजा की ओर से 6 फर्मों पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा सेक्टर केपी-3 से नोएडा के सेक्टर-146 और 147 को जोड़ने वाले निर्माणधीन हिंडन पुल की 60 मीटर चौड़ी रोड के कार्य करने वाली कंपनी की ओर से काम करने से इंकार करने पर कंट्रक्शन कंपनी विजय कंसल को ब्लैक लिस्ट करने के आदेश दिए है। इस दौरान आरके गौतम वर्क सर्किल-7, नरोत्तम सिंह वर्क सर्किल-4, विजय कुमार वाजपेयी वर्क सर्किल-5 और चरण सिंह वर्क सर्किल-6 उपस्थित रहे। इन सभी के कार्य क्षेत्र में विकास कार्यो में इस्तेमाल होने वाले सामान की गुणवत्ता ठीक नहीं पाई गई। जब इस बारे में सवाल जवाब मिल गई तो कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। जिस पर सीईओ ने नाराजगी जाहिर की है।

साहित्य अकादेमी ने रवींद्रनाथ टैगोर के अनुवादों पर परिसंवाद का किया आयोजन

रवींद्रनाथ टैगोर का लेखन महासमुंद्र हैः प्रयाग शुक्ल

नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी द्वारा रवींद्रनाथ टैगोर की 162वीं जयंती पर अनुवादों में रवींद्रनाथ टैगोर की प्राप्ति विषयक परिसंवाद का आयोजन किया गया। मालाश्री लाल की अध्यक्षता में संपन्न इस परिसंवाद में फ़ेह.सीन. एजाज़ (उर्दू), एच.एस. शिवप्रकाश (कन्नड), मोहनजीत (पंजाबी), प्रयाग शुक्ल (हिंदी) एवं राधा चक्रवर्ती (अंग्रेजी) ने रवींद्रनाथ टैगोर की कृतियों के अनुवादों के दौरान हुए अपने अनुभवों को साझा किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी का स्वागत अंगवस्त्रम् प्रदान करके किया। उन्होंने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर भविष्यदृष्टा मानवतावादी थे और उनका लेखन सार्वभौमिक था। साहित्य अकादेमी ने उनकी अनेक रचनाओं का अनुवाद विभिन्न भारतीय भाषाओं में उपलब्ध करवाया है। सर्वप्रथम फ़ेह.सीन. एजाज ने रवींद्रनाथ टैगोर के उस वक्तव्य को कोट किया जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं मृत्यु के बाद भी अपने गीतों में जिंदा रहूंगा। उन्होंने उनके गीतों में प्रकृति, प्रेम, स्वदेश आदि तत्वों के मिश्रण का उल्लेख करते हुए उनके कई गीतों का स्वयं द्वारा किए उर्दू अनुवाद में प्रस्तुत किया। एच.एस. शिव प्रकाश ने कन्नड में हुए टैगोर के अनुवादों की चर्चा करते हुए कहा कि उनके गीतों में मन के आजादी की जो बात कही गई है वो सबसे ज्यादा प्रभावित करती है।

मोहनजीत सिंह ने टैगोर द्वारा बलराज साहनी को पंजाबी में लिखने के लिए प्रोत्साहित करने की बात बताते हुए कहा कि टैगोर के मन में सिख गुरुओं द्वारा दी गई शहादत का बहुत प्रभाव था और उन्होंने गुरु गोविंद सिंह, बंदा सिंह एवं दारो सिंह पर कविताएँ लिखीं थी। प्रयाग शुक्ल ने गीतांजलि के हिंदी अनुवाद की चर्चा करते हुए कहा कि टैगोर का लेखन एक तरह से महा समुद्र है और उसमें से मोती चुनना बहुत मुश्किल है। उन्होंने गीतांजलि के कई छंदबद्ध गीतों को प्रस्तुत किया। राधा चक्रवर्ती ने टैगोर द्वारा स्वयं किए गए अंग्रेजी अनुवादों की चर्चा करते हुए बताया कि वह उन अनुवादों से बहुत संतुष्ट नहीं थे। लेकिन वह जानते थे कि एक बड़े समुदाय तक अनुवाद द्वारा अपनी बात पहुंचाई जा सकती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही मालाश्री लाल ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए रवींद्रनाथ टैगोर की कहानी मोह माया का अनुवाद प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभिन्न भारतीय भाषाओं के महत्त्वपूर्ण लेखक, अनुवादक एवं छात्र उपस्थित रहे।

जंतर मंतर पर 17वें दिन पूरा इलाका छावनी में तब्दील

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर पहलवानों को धरना देते हुए 16 दिन हो चुके हैं। पहलवानों के धरना प्रदर्शन का आज 17वां दिन है।

पुलिस ने आज पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिस प्रकार से कल कुछ किसान प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग को तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की थी। उसी को ध्यान में रखते हुए आज सुरक्षा बढ़ाई गई है। दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों की संख्या बढ़ाई गई है। बैरिकेट्स को वेल्डिंग मशीन से सील कर दिया गया है। जिससे वह अपनी जगह से हील न सकें।

उल्लेखनीय है कि जंतर मंतर पर पहलवानों का धरना प्रदर्शन 23 अप्रैल को शुरू हुआ था। पहलवानों का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तब तक वो ऐसे ही धरने पर बैठे रहेंगे। इसके अलावा अब किसान भी पहलवानों के समर्थन में उतर आए हैं। वहीं किसानों का कहना है कि 11 मई को देशभर में कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह का पूतला फूंकेंगे। पहलवान लगातार बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की बात कर रहे हैं।

मानसून में जलभराव से बचने की कर रही दिल्ली सरकार तैयारियां

नई दिल्ली। नई दिल्ली, 09 मई (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने मानसून के दौरान महानगर में होने वाले जलभराव को रोकने के लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी है। इस दिशा में सभी विभागों की तैयारियों की जांच के लिए पीडब्ल्यूडी मंत्री, शहरी विकास मंत्री व डिप्टी मेयर की अध्यक्षता में संयुक्त समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान पीडब्ल्यूडी, बाढ़ एवं सिंचाई नियंत्रण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, एमसीडी, एनडीएमसी, डीडीए व दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के उच्चाधिकारी शामिल हुए। इस मौके पर अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि, 'दिल्ली की सभी एजेंसियां जल जमाव की समस्या दूर करने के लिए साथ मिलकर काम करें, क्योंकि जल जमाव की समस्या दूर करना सबकी संयुक्त जिम्मेदारी है।

बैठक में पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बरसात से पहले शहर में जल जमाव वाले सभी पॉइंट्स का निरीक्षण किया जाये और सभी विभाग मिलकर माइक्रो लेवल प्लानिंग के साथ इस समस्या को दूर करने पर फोकस करें। शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सभी विभाग मानसून के दौरान आनन-फानन में तैयारी करने की बजाय पहले ही जल जमाव की सभी समस्या को दूर करने का काम करें, ताकि भारी बारिश में भी जल जमाव न हो और लोगों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। बैठक के दौरान भारद्वाज ने कहा कि सभी विभाग जल जमाव वाले स्थानों की कड़ी निगरानी करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि जल जमाव से संबंधित समस्याओं के कारण किसी भी नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े।इस मौके पर डिप्टी मेयर मोहम्मद आले इकबाल ने कहा कि एमसीडी में भी अब एक जिम्मेदार सरकार है जो लोगों की बेहतरी के लिए काम कर रही है, न कि लोगों के काम रोक रही है। इसलिये एमसीडी भी शहर से जल जमाव को दूर करने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी और सभी विभागों के साथ मिलाकर काम करेगी।

जल जमाव को दूर करने की तैयारियों के मद्देनजर पीडब्ल्यूडी ने 128 पंप हाउस स्थापित किए है, जिनमें 700 से अधिक पंप है। 11 पंप हाउस पूरी तरह से ऑटोमेटिक हैं, जो सेंसर के माध्यम से पानी के स्तर के बढ़ते ही स्वत शुरू हो जाते हैं। मानसून में जरूरत पड़ने पर पीडब्ल्यूडी अपने मोबाइल पंप यूनिट भी तैनात करेगी।

पीडब्ल्यूडी के नालों की डी-सिल्टिंग का काम जारी है और 31 मई तक पहले फेज की डी-सिल्टिंग का काम पूरा हो जायेगा और मानसून के बाद दोबारा डी-सिल्टिंग का काम किया जायेगा। मानसून के दौरान पीडब्ल्यूडी का सेंट्रल कंट्रोल रूम गंभीर जल जमाव वाले स्थानों की 24 घंटे सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी करेग। इसके अतिरिक्त पीडब्ल्यूडी 10 अन्य स्थानों में कण्ट्रोल रूप स्थापित करेग। लोग जल जमाव संबंधित शिकायतें दर्ज कर सकें इसके लिए पीडब्ल्यूडी मानसून के दौरान हेल्पलाइन नंबर जारी करेग।

अजय माकन की शिकायत पर एलजी ने मांगी सात दिन के भीतर रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास के नवीनीकरण पर हुए करोड़ों रुपये के खर्च और इसके निर्माण में नियमों के उल्लंघन संबंधी शिकायत पर संज्ञान लेते हुए उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने राज्य के मुख्य सचिव से सात दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी है।

मुख्यमंत्री के सरकारी आवास में करोड़ों रुपये के खर्च को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की ओर से हुई शिकायत तथा मीडिया रिपोर्ट्स को संज्ञान में लेते हुए एलजी ने पहले ही मुख्य सचिव से मामले की रिपोर्ट और जांच करने को कहा था। अब कांग्रेस नेता अजय माकन ने मुख्यमंत्री के सरकारी आवास के निर्माण में हुई अनियमितताओं पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन का कहना है कि सिविल लाइन दिल्ली के बंग्लो एरियाज में शामिल है। इसके बारे में मास्टर प्लान में लिखा है कि यहां ऊंची इमारत नहीं बनाई जा सकती। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सिविल लाइंस के 6 फ्लैग स्टाफ रोड स्थित जिस बंगले में रहते हैं, यह सिंगल स्टोरी इमारत थी। इसमें कांग्रेस के नेता चौधरी प्रेम सिंह, विधानसभा में स्पीकर होने के दौरान रहा करते थे। इसके बाद यहां अमरीश गौतम रहा करते थे, जो डिप्टी स्पीकर के पद पर थे।

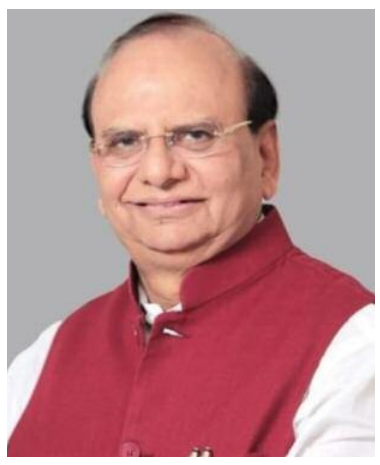

अब इसे तोड़कर बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर, सेकेंड फ्लोर बनाया गया है। यानी

अगर बेसमेंट हटा दें तो यह तीन मंजिला है, जिसके अंदर 20 हजार स्क्वायर फीट का कंस्ट्रक्टेड एरिया है। यह अपने आप में मास्टर प्लान और हेरिटेज लॉ का उल्लंघन है।माकन ने एलजी को दी शिकायत में यह भी कहा है कि केजरीवाल के बंगले में निर्माण 45 करोड़ रुपये नहीं, बल्कि 171 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। दिल्ली में जब लोग ऑक्सीजन और हॉस्पिटल को तरस रहे थे, तब मुख्यमंत्री ने 171 करोड़ रुपये खर्च कर महल बनवाया। माकन का दावा है कि केजरीवाल के मकान के बगल में चार और मकान पड़ते हैं। 45 राजपुर रोड, 47 राजपुर रोड, 8ए फ्लैग स्टाफ रोड और 8बी फ्लैग स्टाफ रोड, इन सभी जगहों पर मिलाकर 22 ऑफिसर के फ्लैट हैं। जिसमें से 15 फ्लैट खाली करा दिए गए या इन्हें तोड़ दिया गया। सात के बारे में इंस्ट्रक्शन दिए गए हैं कि अब वे दोबारा अलॉट नहीं होंगे। इन 22 ऑफिसर फ्लैट की कमी की भरपाई करने के लिए केजरीवाल सरकार ने कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में 21 फ्लैट टाइप खरीदे हैं, जिसकी कीमत 126 करोड़ रुपये बताई जा रही है यानि 126 करोड़ रुपये फ्लैट खरीदने में और 45 करोड़ रुपये सीएम आवास के निर्माण में खर्च हुए। एलजी को दी गई शिकायत में माकन ने यह भी कहा है कि दिल्ली की जनता यह समझना चाहती है कि किस तरीके से इन लोगों ने दिल्ली की जनता को गुमराह किया है।

एनडीएमसी ने वर्ष 2023-24 के लिए स्वास्थ्य लाइसेंस शुल्क में वृद्धि की

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में होटल, रेस्तरां, कॉफी शॉप, लॉजिंग हाउस, मिठाई की दुकानें और दैनिक खाने योग्य वस्तुओं को बेचने वाले छोटे स्टॉल / कियोस्क आदि जैसी व्यावसायिक गतिविधियों को चलाने के लिए विभिन्न ट्रेड लाइसेंसों के अनुदान/नवीनीकरण के लिए स्वास्थ्य लाइसेंस शुल्क में वृद्धि की है। वार्षिक संशोधन दिनांक 23/08/2018 को एनडीएमसी के निर्णय के अनुसार, पालिका परिषद द्वारा 01/04/2023 से प्रभावी किया गया है।

इस निर्णय के तहत लॉन्ड्री, बॉयलर, डी.जी.सेट, हॉकिंग, ड्राई क्लीनर,डेयरी बूथ आदि के लिए कोई वृद्धि नहीं होगी। लॉजिंग हाउस और पांच सितारा होटलों को छोड़कर, बाकी श्रेणियों में भी इस राशि में न्यूनतम वृद्धि रु.100 से 2000/- वार्षिक की गयी है। एनडीएमसी इस वर्ष स्वास्थ्य लाइसेंस के लिए लगभग 200- 300 मामलों पर विचार करेगी। स्वास्थ्य लाइसेंस शुल्क में संशोधन/वृद्धि के संबंध में आदेश दिनांक 06.05.2023 पालिका परिषद की वेबसाइट www.ndmc.gov.in पर उपलब्ध है।

नोएडा में लिफ्ट देकर बदमाशों ने युवक के पेटीएम से निकाले 20 हजार

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-37 से एक युवक को कार में लिफ्ट देकर तीन बदमाशों ने उसके साथ मारपीट करके उसका मोबाइल फोन और 20 हजार रुपए नगद लूट लिया। बदमाश पीड़ित को ग्रेटर नोएडा के एलजी गोल चक्कर के पास फेंक कर भाग गए।

थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक अजय चाहर ने बताया कि अनिल शर्मा निवासी ग्राम चिटैहरा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका बेटा अक्षित शर्मा सेक्टर-37 से अपने घर जाने के लिए एक प्राइवेट टैक्सी में बैठा। उसमें पहले से ही 3 व्यक्ति मौजूद थे।

उन्होंने बताया कि कुछ दूर चलने के बाद दोनों पीछे बैठे व्यक्ति ने उनके बेटे के दोनों हाथ पकड़ लिए और उसके पास रखी नगदी और मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया कि उनके बेटे के पास नकदी नहीं थी। बदमाशों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया तथा मोबाइल फोन लेकर उसके पेटीएम अकाउंट से 20 हजार रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर कर लिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भाजपा के 19 बागियों पर चला संगठन का डंडा, सभी 6 वर्ष के लिए निष्कासित

गाजियाबाद। नगर निकाय द्वितीय चरण के चुनाव के लिए जहां मंगलवार शाम पांच बजे चुनाव प्रचार बंद हो गया। वहीं भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया ने 19 बागियों के खिलाफ कार्रवाई की है। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने सभी को 6 वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

भारतीय जनता पार्टी पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया ने बताया कि जिन लोगों को निष्कासित किया गया है वह सभी पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। इनमें भाजपा के मंडल अध्यक्ष विनीत शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय गुप्ता, पूर्व पार्षद अरुण जैन और मंडल महामंत्री ऋषभ जैन, मंडल मंत्री नीतू सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष गुलाब चंद गुप्ता, पूर्व पार्षद मनोज गोयल पूर्व महामंत्री दिनेश लखेरा, हेमलता शर्मा आलोक शर्मा, पूर्व पार्षद आनंद गुप्ता, पूर्व पार्षद सलेख चंद त्यागी, विनोद शर्मा, मोहन सिंह रावत, कुसुम सिंह, एसपी सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष नीतू श्रीवास्तव, चंद्रभूषण श्रीवास्तव, प्रमोद तिवारी, प्रीति शर्मा, शशि बाला खेमका तथा पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष जितेंद्र यादव शामिल हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर ओवैसी ने विपक्षी दलों पर बोला हमला

गाजियाबाद। 2024 में लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों के एक होने पर ओवैसी ने बड़ा हमला बोला है। ओवैसी ने कहा अगर बीजेपी को हराना है अगर अपोजिशन के लीडर मिल जाएंगे को इससे कोई फायदा नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव तेलंगाना के मुख्यमंत्री के बगल में बैठ जाते हैं कभी बंगाल में ममता बनर्जी के पैरों के पास बढ़ जाते हैं कभी नीतीश कुमार के सामने सिर झुका देते हैं। बीजेपी में जितने माफिया हैं उन पर फूल बरसाए जा रहे हैं उनकी छत्रछाया में रहकर जो कोर्ट से मुलजिम करार दिया जाता है पुलिस की मौजूदगी में हाथ में जंजीर

होती है कुछ लोग गोलियां चला कर मार देते हैं और मुख्यमंत्री कहते हैं कि मैंने माफिया को मार दिया।

उस वक्त जो पुलिस वाले थे मेरा उनसे सवाल है अगर वह जय श्री राम का नारा ना लगाकर कबीर बोल देते तो गोलियों से भून देते ? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं कि गोली का जवाब गोली से देंगे, वहां तो जबान से भी नहीं दिया गया।

दिल्ली पुलिस ने जीएसटी इंस्पेक्टर से ठगी करने वाले मेवात के साइबर ठगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जीएसटी इंस्पेक्टर से एक लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोप में मेवात से बीएससी स्नातक सहित दो साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है, एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि ठगों ने पीड़ित का रिश्तेदार बनकर उसे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने के लिए राजी किया, यह दावा करते हुए कि एलआईसी फंड जमा करने के लिए जरुरत है। आरोपियों की पहचान सबलगढ़, मध्य प्रदेश निवासी राघवेंद्र शर्मा (22) और राजस्थान के भिवाड़ी निवासी सुरेंद्र (27) के रूप में हुई है, जो गिरफ्तारी से बचने के लिए मेवात क्षेत्र की हरियाणा और राजस्थान सीमा से काम कर रहे थे।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (उत्तर), सागर सिंह कलसी ने कहा कि साइबर नॉर्थ पुलिस स्टेशन में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें बुराड़ी निवासी शिकायतकर्ता किशन भारद्वाज ने कहा कि किसी ने उनके साथ 1,45,000 रुपये की धोखाधड़ी की, कथित व्यक्ति ने उनका रिश्तेदार बनकर एलआईसी फंड भेजने के बहाने उनके खातों से पैसे ट्रांसफर करवाए।

जांच के दौरान, मनी ट्रेल के तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से, यह पता चला कि धोखाधड़ी की कुल राशि में से 95,000 रुपये एक्सिस बैंक के खाते में स्थानांतरित कर दिए गए थे, जो मुरैना (मध्य प्रदेश) में एक पते पर पंजीकृत था, और मेवात क्षेत्र में एटीएम के माध्यम से पैसा निकाला जा रहा था।डीसीपी ने कहा-साथ ही, कथित मोबाइल नंबर की कॉलिंग लोकेशन मेवात क्षेत्र में थी। आरोपी ने अधिकांश पैसे अलग-अलग एटीएम से निकाले। खाते से जुड़े मोबाइल फोन का विवरण लिया गया और मोबाइल फोन को निगरानी में रखा गया था। थोड़ी देर बाद आरोपी राघवेंद्र और सुरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। पूछताछ करने पर पता चला कि राघवेंद्र पहले बैंगलोर में काम करता था, लेकिन बेहतर जीवन की तलाश में राजस्थान आ गया, जहां उसने सह-आरोपी सुरेंद्र के साथ मेवात क्षेत्र के साइबर अपराधियों के लिए सिम कार्ड और बैंक खातों की व्यवस्था करना शुरू कर दिया।